राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 13 जून 2025 वर्ष-8,अंक-114 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गूगल पर अहमदाबाद को 4 घंटों में 1 मिलियन लोगों ने सर्च किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में हुए एक दर्दनाक एयर इंडिया प्लेन क्रैश के बाद गूगल पर अहमदाबाद प्लेन क्रैश और अहमदाबाद कहां है जैसे सर्चेज की बाढ़ आ गई।अहमदाबाद को टेक्सटाइल, फार्मा और जेम्स-जूलरी इंडस्ट्री का सेंटर माना जाता है। 12 जून 2025 को दोपहर 1:38 बजे एयर इंडिया की फ्लाइट AI171 (बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर) अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल एयरपोर्ट से लंदन के गैटविक एयरपोर्ट के लिए उड़ान भर रही थी। टेकऑफ के 5 मिनट बाद ही ये मेघनीनगर के रिहायशी इलाके में क्रैश हो गई। विमान में 242 यात्री और क्रू मेंबर्स सवार थे,जिनमें गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी भी शामिल थे।क्रैश के बाद आग लगने और धुएं के गुबार ने इलाके में दहशत फैला दी। 12 जून 2025 को दोपहर 1:38 बजे हादसे के बाद से गूगल पर अहमदाबाद जैसे कीवर्ड्स की सर्च में भारी उछाल आया। गूगल पर हादसे के 30 मिनट बाद यानी 2:00 बजे से सर्च वॉल्यूम तेजी से बढ़ा। पिछले 4 घंटों सर्च स्कोर 100/100 पर पहुंच गया,जो गूगल ट्रेंड्स में मैक्सिमम इंटरेस्ट दिखाता है।इसके अलावा रिलेटेड सर्चेज में भारत और विदेशों में लोग अहमदाबाद की लोकेशन सर्च कर रहे हैं। दुर्घटनाग्रस्त विमान में पूर्व सीएम की मौजूदगी की खबर ने सर्चेज बढ़ाईं।

विमान हादसा : जाको राखे साइयां, मार सके न कोय, एक यात्री की जान बची

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में हुए दिल दहला देनेवाले विमान हादसे में सभी 240 यात्रियों की मौत की खबर है। घटना के वक्त विमान में 242 लोग सवार थे। जिसमें से एक यात्री को बचा लिया गया है। विमान हादसे में जिंदा बचे रमेश विश्वास ने कहा कि उनका बचना किसी करिश्मे से कम नहीं हैं। रमेश विश्वास एयर इंडिया की फ्लाइट में 11ए सीट पर बैठे थे। इस हादसे में गंभीर रूप से घायल रमेश विश्वास बताया कि टेकऑफ के 34 सेकेंट के बाद ही प्लेन जबर्दस्त आवाज के साथ क्रैश हो गया। जब मुझे होश आया तो मेरे आसपास लाशें ही लाशें थीं। फ्लाइट के टुकड़े चारों तरफ बिखरे हुए थे। मुझे किसी ने उठाया और एंबुलेंस में डाल दिया। रमेश विश्वास का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह पैदल चलते दिखाई दे रहे हैं। उनके चेहरे समेत शरीर गंभीर चोटें आई हैं। फिलहाल रमेश विश्वास का अस्पताल में इलाज चल रहा है। बता दें कि गुरुवार को अहमदाबाद में हुए भयानक विमान हादसे में 240 यात्रियों की मौत हो गई है।घटना के वक्त विमान में क्रू मेम्बर समेत कुल 242 लोग सवार थे।जिसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, ।पुर्तगाल, 1 कनाडाई और 12 क्रू मेम्बर शामिल हैं।

टाटा ग्रुप का बड़ा ऐलान, विमान हादसे के मृतकों के परिजनों को एक-एक करोड़ की सहायता देगा

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के बाद टाटा ग्रुप ने बड़ा ऐलान किया है। जिसके मुताबिक टाटा समूह ने विमान हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक मृतक के परिवार को एक-एक करोड़ रुपए की सहायता देने की घोषणा की है। इसके अलावा टाटा समूह घायलों के इलाज का पूरा खर्च भी उठाएगा और यह सुनिश्चित करेगा कि उन्हें सभी आवश्यक देखभाल और सहायता मिले। इसके साथ ही, बी.जे. मेडिकल कॉलेज के छात्रावास के पुनर्निर्माण के लिए भी सहायता प्रदान की जाएगी।

विमान दुर्घटना : मृतकों की पहचान के लिए उनके परिजनों के डीएनए सैंपल लिए जाएंगे : स्वास्थ्य सचिव

अहमदाबाद (एजेंसी)। राज्य के स्वास्थ्य प्रमुख सचिव धनंजय द्विवेदी के अनुसार अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों की पहचान के लिए उनके परिजनों के डीएनए नमूने लेने की व्यवस्था अहमदाबाद सिविल अस्पताल द्वारा की गई है। अहमदाबाद सिविल अस्पताल के कसोटी भवन में इस डीएनए सैंपल को लेने की व्यवस्था की गई है। यह कसोटी भवन बी.जे. मेडिकल कॉलेज के ग्राउंड फ्लोर पर स्थित है। सिविल अस्पताल प्रशासन ने रिश्तेदारों और दोस्तों से अनुरोध किया है कि वे अपने डीएनए सैंपल इसी कसोटी भवन में दें। मृतक के नजदीकी रिश्तेदार (माता-पिता या बच्चे) डीएनए सैंपल उपलब्ध करा सकेंगे। अहमदाबाद विमान दुर्घटना के बाद, अस्पताल प्रशासन ने अहमदाबाद सिविल अस्पताल ट्रॉमा (आपातकालीन) केंद्र में रोगी-उन्मुख उपचार से संबंधित जानकारी के लिए संपर्क करने के लिए दो फोन नंबरों 6357373831 और 6357373841 की घोषणा की है। फिलहाल 50 घायलों का सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है। सभी मरीज़ों की हालत स्थिर है।

विमान दुर्घटना : हादसे में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी का भी निधन

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हुआ है। इसमें सवार 240 लोगों की मौत हो गई है। हादसे में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी का भी निधन हो गया है। अब तक हादसे में केवल दो लोगों के बचने की बात आई है। बाकी सभी लोगों की मौत हो गई है। पुलिस कमिश्नर के हवाले से जानकारी दी गई है कि प्लेन की सीट नंबर 11-ए पर बैठे हुए भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक रमेश विश्वास कुमार हादसे में जिंदा बच गए हैं। उनका वीडियो भी सामने आया है। वहीं एक और जिंदा बचा यात्री अस्पताल में भर्ती है। एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई-171 अहमदाबाद से लंदन जा रही थी। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे।

बड़ा विमान हादसा

गुजरात में विमान हादसा 200 से अधिक लोगों की मौत

अहमदाबाद विमान हादसा दिल दहलाने वाला: मोदी

नई दिल्ली, 12 जून (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर गहरा दुख जताया है और प्रभावित लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। श्री मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें स्तब्ध और दुखी कर दिया है। यह शब्दों से परे दिल दहला देने वाली घटना है। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं सभी प्रभावित लोगों के साथ हैं। मैं मंत्रियों और अधिकारियों के संपर्क में हूँ जो प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे हैं।卐

गौरतलब है कि एयर इंडिया का एक ड्रीमलाइनर बोइंग 787 विमान आज अपराह्न अहमदाबाद से लंदन के लिये उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में 230 यात्री, दो पायलट और चालक दल के 10 अन्य सदस्य सवार थे।

नई दिल्ली/अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में भयावह विमान हादसे में 200 से अधिक लोगों की जान चली गई। अहमदाबाद एयरपोर्ट से एयर इंडिया का विमान गुरुवार को लंदन के लिए उड़ान भरने के दो मिनट बाद ही सरकारी बीजे मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर छात्रावास से टकरा गया। हादसे के दौरान विमान में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी और क्रू सदस्यों समेत 242 लोग सवार थे। अहमदाबाद के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी कनन देसाई ने बताया कि हादसे में 200 से अधिक लोगों के मारे जाने की पुष्ट हुई है। जानकारी के अनुसार विमान में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, सात पुर्तगाली और कनाडा के एक नागरिक के साथ 12 क्रू सदस्य सवार थे।

रुपाणी सीट नंबर 12 पर सवार थे। बताया जा रहा वे बेटी से मिलने लंदन जा रहे थे। एयर इंडिया के अनुसार बोइंग 787 ड्रीमलाइनर एयरक्राफ्ट (एआई171) अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दोपहर करीब एक बजकर 39 मिनट पर लंदन के गैटविक एयरपोर्ट के लिए रनवे संख्या 23 से उड़ा। दो मिनट बाद ही विमान एयरपोर्ट के पास मेघानीनगर स्थित आवासीय क्षेत्र में एक घर से टकरा गया। घटना के वक्त विमान जमीन से 625 मीटर की ऊंचाई पर था। हादसे की खबर लगते ही एयरपोर्ट का संचालन रोक दिया गया। हालांकि घटना की सूचना के बाद अहमदाबाद पहुंचने वाले वीवीआईपी और जांच टीम के लिए एयरपोर्ट का संचालन जारी है।

नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बयान जारी कर बताया कि हादसे से पहले पायलट ने अहमदाबाद के एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (एटीसी) को मे-डे कॉल दिया था। इसके बाद एटीसी ने विमान को कई निर्देश दिए जिसका कोई जवाब नहीं मिला। अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त जीएस मलिक ने कहा कि लोगों के बचे होने की संभावना को दरकिनार नहीं कर सकते हैं। कुछ लोगों को अस्पताल भेजा गया है। राहत और बचाव कार्य जोरों पर जारी है। एएआईबी करेगा मामले की जांच हादसे की जांच के लिए विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) के महानिदेशक, जांच निदेशक और सरकार की टीम अहमदाबाद पहुंच गई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के तहत आने वाला ये ब्यूरो विमानों के सुरक्षा मानदंडों के लिए जिम्मेदार है। भारतीय वायु क्षेत्र में रहने के दौरान अगर कोई विमान हादसे का शिकार होता है तो यही जांच करता है। ब्यूरो विमान सुरक्षा सुधार के लिए सलाह भी देता है।

सबसे पहले पहुंची सीआईएसएफ

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर के बाद विमान आग का गोला बन गया और चंद सेकंड बाद ही पूरा इलाका धुआं-धुआं हो गया। घटना की सूचना के बाद एनडीआरएफ की छह और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की दो टीमें राहत और बचाव कार्य के लिए पहुंच गईं। राहत और बचाव कार्य का मोर्चा सबसे पहले एयरपोर्ट पर तैनात सीआईएसएफ की टुकड़ी ने संभाला। सीआईएसएफ के 150 जवानों को भी तैनात किया है।

तेज धमाके से दहशत मची

हादसे के प्रत्यक्षदर्शी जयेश पटेल ने बताया कि जब विमान हादसा हुआ तब मैं घटनास्थल से महज 500 से 600 मीटर दूर था। बहुत तेज धमाका हुआ और आग की ऊंची लपटें उठने के बाद पूरा इलाका धुएं से भर गया। मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा था। धमाके की आवाज सुन लोग घर के बाहर निकल गए। हर कोई घटना स्थल की तरफ दौड़ा। वहां जो मंजर था वो बहुत भयावह था। हर तरफ मलबा ही मलबा हादसे के बाद का नजारा बेहद भयावह था। हर तरफ मलबा बिखरा हुआ था। विमान का नोज एक घर की छत पर टूटकर गिर गया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि विमान जब मकान से टकराया तो आसपास के कई घरों को भी भारी नुकसान हुआ है। कई लोग घायल भी हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि धमाका और आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पार्किंग में खड़ी कई गाड़ियों में भी आग लग गई।

कैप्टन सुमित कर रहे थे कमांड

डीजीसीए ने बताया कैप्टन सुमित सभरवाल विमान को फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर के साथ कमांड कर रहे थे। कैप्टन सुमित को 8200 घंटों का उड़ान का अनुभ्व था। वहीं को-पायलट के 1100 घंटे विमान उड़ाने का अनुभव था। विमान में दो पायलटों के साथ 10 क्रू सदस्य सवार थे। डीजीसीए दोनों पायलटों से जुड़ी और जानकारी जुटाने में जुटा है।

गुजरात में दूसरा हादसा

गुजरात में ये दूसरा भीषण विमान हादसा है। इससे पहले 19 अक्तूबर 1988 को इंडियन एयरलाइन्स का विमान अहमदाबाद एयरपोर्ट पर लैंडिंग से पहले ही दुर्घटना का शिकार हो गया था। इसमें 130 लोगों की जान चली गई थी। मुंबई से उड़ा ये विमान दृश्यता कम होने के कारण हादसे का शिकार हुआ था। हादसे के वक्त इस विमान की गति 300 किलोमीटर प्रतिघंटा थी।

शाह-नायडू अहमदाबाद रवाना

हादसे की सूचना मिलते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू अहमदाबाद रवाना हो गए। प्रधानमंत्री ने नायडू को पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद मुहैया करने के लिए निर्देश दिया है। साथ ही पल-पल की जानकारी साझा करने की बात कही है। हादसे के वक्त नायडू विजयवाड़ा में थे।

एयर इंडिया मदद में जुटा

एयर इंडिया के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि विमान हादसे की खबर से हम सब दुखी हैं। एक्स पर पोस्ट में उन्होंने कहा, हादसे का शिकार हुए लोगों के परिवारीजनों को हर संभव मदद मुहैया कराने के लिए इमरजेंसी सेंटर को सक्रिय कर दिया गया है। टीम लोगों की मदद में जुटी हैं। हादसे में जो भी लोग मारे गए एयर इंडिया उन पीड़ित परिवारों के साथ है। हम पूरी ताकत से लोगों की मदद में जुटे हैं।

करोड़ों युवाओं में क्रिकेट और ऑनलाइन सट्टे का नशा बना चिंता का कारण

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के करोड़ों युवाओं के बीच क्रिकेट का जुनून अब मनोरंजन की सीमा से आगे निकल चुका है। यह खेल अब केवल स्टेडियम तक सीमित नहीं रहा, बल्कि स्पोर्ट्स चैनलों, मोबाइल ऐप्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के जरिए दिन-रात युवाओं की दिनचर्या में शामिल हो गया है। खासकर आईपीएल जैसे टी20 फॉर्मेट ने क्रिकेट को रोमांच, पैसा और सट्टे का खतरनाक मिश्रण बना दिया है, जो तेजी से युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रहा है। इसके दुष्परिणाम भी अब सामने आने लगे हैं। यूं तो भारत में क्रिकेट का इतिहास सौ साल से भी ज्यादा पुराना है। प्रारंभ में राजा-महाराजाओं और कंपनी सरकार के लिए शौकिया खेल हुआ करता था, लेकिन बदलते दौर और वैश्विक घटनाक्रम के परिणाम स्वरुप क्रिकेट जेंटलमेन गेम बन गया। अब जबकि दुनियां के देश तकनीकी युग के चरम पर पहुंच चुके हैं तो क्रिकेट भी इससे अछूता नहीं है और अब यह युवाओं के जुनून में शामिल हो गया है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में क्रिकेट के दर्शकों की संख्या लगभग 69 करोड़ को पार कर चुकी है। यह संख्या सालभर क्रिकेट से जुड़े आयोजनों और उनके निरंतर प्रसारण के चलते बनी है। हर दिन किसी न किसी देश में क्रिकेट मैच खेला जा रहा होता है और स्पोर्ट्स चैनल्स इन्हें लाइव दिखाते रहते हैं। इससे युवाओं में एक नशे की तरह क्रिकेट देखने और उससे जुड़ने की आदत बनती जा रही है।

ऑनलाइन गैमिंग का बढ़ा चलन

हालांकि चिंता की बात यह है कि इस खेल के साथ-साथ सट्टेबाजी और ऑनलाइन गैमिंग का चलन भी तेजी से बढ़ा है। क्रिकेट मैचों पर ऑनलाइन सट्टा लगाने वाले युवाओं की संख्या हर साल बढ़ती जा रही है। फैंटेसी लीग से लेकर बेटिंग ऐप्स तक, युवाओं के मोबाइल में अब ये प्लेटफॉर्म आम हो चुके हैं। बेरोजगार युवा, जो पहले रोजगार की तलाश में समय लगाते थे, अब दिनभर क्रिकेट देखने और उस पर दांव लगाने में व्यस्त नजर आते हैं।

बांग्लादेश में उग्र भीड़ ने कचहरीबाड़ी वाले रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक आवास में की तोड़फोड़

ढाका (एजेंसी)। शाजादपुर स्थित नोबेल विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक निवास कचहरीबाड़ी में उग्र भीड़ ने जमकर तोड़फोड़ की। यह वही ऐतिहासिक इमारत है जहां टैगोर ने अपने जीवन की कई महत्वपूर्ण रचनाएं लिखी थीं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भीड़ ने 'टैगोर विरोधी' नारे लगाए और घर की खिड़कियों, दरवाजों और फर्नीचर को नुकसान पहुंचाया। घटना के बाद कचहरीबाड़ी को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया है।

साइट के संरक्षक मोहम्मद हबीबुर रहमान ने बताया कि सुरक्षा कारणों के चलते अब यहां पर्यटकों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा और पुरातत्व विभाग हालात की निगरानी कर रहा है। घटना की शुरुआत एक मामूली बहस से हुई थी। घटना के बाद बांग्लादेश सरकार की ओर से पुरातत्व विभाग ने तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है जो हमले के कारणों, जिम्मेदारों और सुरक्षा चूक की जांच करेगी। हालांकि, बांग्लादेश की

सांस्कृतिक बिरादरी और टैगोर प्रेमियों में इस हमले को लेकर गहरी नाराजगी है। कई साहित्यकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इसे राष्ट्रीय शर्म बताते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। घटना के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिनमें देखा जा सकता है कि कैसे भीड़ ने हॉल की खिड़कियां तोड़ीं और गेट को नुकसान पहुंचाया। सवाल यह भी उठ रहा है कि इतने महत्वपूर्ण स्थल की सुरक्षा व्यवस्था इतनी कमजोर कैसे छोड़ दी गई?

शाजादपुर स्थित कचहरीबाड़ी रवींद्रनाथ टैगोर के पुश्तैनी जमींदारी संपत्ति का हिस्सा थी। यह घर न केवल टैगोर परिवार के रेवेन्यू ऑफिस के रूप में काम करता था, बल्कि यही वो जगह थी जहां टैगोर ने अपनी कई प्रसिद्ध रचनाएं - कविताएं, गीत और कहानियां - लिखीं। यह इमारत आज भी बांग्लादेश की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक मानी जाती है। इतिहासकारों का कहना है कि टैगोर ने शाजादपुर में रहते हुए बंगला साहित्य को नई ऊंचाइयां दीं और ग्रामीण बांग्लादेश की झलक को अपनी लेखनी में जीवंत किया। ऐसे में इस स्थान पर हुई तोड़फोड़ न केवल एक सांस्कृतिक अपराध है, बल्कि यह पूरे उपमहाद्वीप की साझा विरासत पर सीधा हमला है।

दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर पश्चिम भारत भीषण गर्मी की चपेट में

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर पश्चिम भारत इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की ताजा भविष्यवाणी के अनुसार, 12 और 13 जून को भीषण लू और धूल भरी आंधी के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने इन दो दिनों के लिए विशेष चेतावनी जारी की है।

मौसम विभाग के अनुसार, 12 जून को अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 28 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। हवा में नमी की मात्रा 25 प्रतिशत के आसपास रहेगी।

इस दिन गरज-चमक के साथ बारिश और धूल भरी हवाओं के साथ हीट वेव चलने की चेतावनी दी गई है। इसके लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

13 जून को भी तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है, लेकिन इस दिन गरज-चमक के साथ तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे) चलने और बारिश की संभावना के कारण तापमान में आंशिक गिरावट हो सकती है।

मौसम विभाग ने इस दिन के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है और नागरिकों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। 14 जून से तापमान में गिरावट शुरू हो सकती है। उस दिन अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 28 डिग्री रह सकता है।

बारिश की संभावना के बावजूद उस दिन किसी प्रकार की चेतावनी जारी नहीं की गई है। इसके बाद, 15 से 18 जून तक मौसम में स्थिरता रहने की संभावना है, जहां आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और बारिश की हल्की गतिविधि संभव है। अधिकतम तापमान 38 डिग्री के आसपास रहने की उम्मीद है।

मौसम विभाग ने नागरिकों को लू से बचाव के लिए दोपहर के समय बाहर निकलने से परहेज करने, अधिक पानी पीने और आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है। विशेषकर बुजुर्ग, बच्चे और बीमार व्यक्तियों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। उत्तर भारत इस समय भीषण गर्मी से जूझ रहा है, लेकिन 13 जून की रात से मौसम में बदलाव के संकेत हैं। इसके बाद गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, लोगों को अगले दो दिन विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत की सुरक्षा एवं मोदी सरकार

(लेखक – शिवप्रकाश)

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी संकल्प से सिद्धि अभियान चला रही है। संपूर्ण देश में मोदी सरकार की सफलता पर प्रेस वार्ताएं, प्रदर्शनी, विचार संगोष्ठी, जनसभाएं एवं ग्राम स्तर पर चौपाल कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। सोशल मीडिया द्वारा योजनाओं की जानकारी एवं अनेक प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन भी हो रहा है। गरीब कल्याण, ढांचागत विकास,अन्तर्वाह्य सुरक्षा, आर्थिक प्रगति, सांस्कृतिक उत्थान एवं विदेशों में बढ़ता भारतीय सम्मान सभी क्षेत्रों में ऐतिहासिक उपलब्धियां 11 वर्ष में प्रगति की गवाह है. भारत सहित विश्व की अनेक संस्थाओं एवं प्रमुख व्यक्तियों ने इस ऐतिहासिक सफलता की प्रशंसा की है। रक्षा क्षेत्र में भी इसी प्रकार की उपलब्धियां ऐतिहासिक है।

चाणक्यनीति में कहा कि 'शस्त्रेण रक्षिते राष्ट्रे शास्त्र चिंता प्रवर्तते' शास्त्रों की चर्चा भी तभी संभव है जब राष्ट्र सभी प्रकार से सुरक्षित हो। सिद्धांत कितना भी श्रेष्ठ हो उसकी सफलता उस सिद्धांत का अनुसरण करने वालों की शक्ति पर ही निर्भर करती है। इसी कारण विद्वानों ने शक्ति को ही शांति का आधार बताया है7 राष्ट्रकवि श्री रामधारी सिंह दिनकर अपनी कविता क्षमा शोभती उस भुजंग को, जिसके पास गरल हो इस सिद्धांत को ही प्रतिपादित करते हैं।

भारतीय जनसंघ ने अपने 1964के पटना अधिवेशन में प्रस्ताव पारित करते हुए मांग की थी कि भारत को परमाणु बम बनाने के सभी प्रयत्न करने चाहिएँ। 'सिद्धांत एवं नीतियां' नामक दस्तावेज में भी परमाणु अस्त्रों का निर्माण करने की बात की थी। प्रस्ताव प्रतिपादन करते समय कहा गया था कि हमारे आराध्य सभी देवी–देवता धर्म संस्थापना के लिये शस्त्रधारी है। इसलिए भारत माता भीपरमाणु बम धारी होनी चाहिए। इसी नीति का अनुसरण करते हुए श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने 1999 में पोखरण परमाणु विस्फोट कर विश्व में भारत के सम्मान को बढ़ाने का कार्य किया था7 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद देश अपने हितों की सुरक्षा करने में समर्थ बने इस प्रकार की नीति पर चला।आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीतिइसी का उदाहरण है7 जहाँ कांग्रेस सरकार में आतंकियों के लिए जी जैसे सम्मानपूर्वक शब्दों का उपयोग एवं बिरयानी खिलाना जैसे उपक्रम चल रहे थे वहीं मोदी सरकार में सेना और सुरक्षा बलों को आतंक से लड़ने के लिए छूट एवं सुरक्षा बलों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाये गए।

रक्षा क्षेत्र का बजट 2013–14 में 2.53 लाख करोड़ था अब 2025–26 के लिए वह बढ़कर 6.81 लाख करोड़ अर्थात तीन गुना से अधिक हो गया है। 2015 कैग रिपोर्ट के अनुसार भारतीय सेना के पास केवल 20 दिन का गोलाबारूद उपलब्ध था। व्यक्तिगत सैनिक स्तर पर, सैनिकों को अब स्वदेशी रूप से निर्मित उच्च गुणवत्ता वाली बुलेटप्रूफ जैकेट, उन्नत हेलमेट, नई बैटल ड्रेस यूनिफॉर्म, नाइट विजन डिवाइस और थर्मल इमेजर उपलब्ध करायी गई। मोदी सरकार के आने के बाद सेना के समन्वय के लिएलंबित मांग सीडीएस की नियुक्ति का निर्णय हुआ। ऑपरेशन सिन्दूर में तीनों सेनाओं के समन्वय में हमने इस निर्णय की भूमिका को अनुभव किया है। शस्त्रोंकी खरीद के लंबे समय से लंबित निर्णयों का भी शीघ्र निस्तारण होते हुए हम देख चुकेहैं। फ्रांस से आने वाले राफेल की खरीद इसी प्रक्रिया का परिणाम है।एस –400 , सुखोई – 30, इजराईल से ड्रोन, हैमर मिसाईल, चिनूक हेलिकॉप्टर, एलसीएच प्रचंड (लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर), तेजस फाइटर जेट (पूर्ण स्वदेशी विमान), पिनाका राकेट सिस्टम, वरुणास्त्र आदि की उपलब्धता के कारण भारतीय सेना विश्व की श्रेष्ठतम सेनाओं में गिनी जाती है। ऑपरेशन सिन्दूर में निर्धारित लक्ष्य पर मार एवं शत्रु के ड्रोन एवं मिसाईल को मार गिराने में हम सक्षम हुए है।

11 वर्ष के सफलतम कालखंड में केवल विदेशों से शस्त्र खरीद ही नहीं हमने स्वयं के आत्मनिर्भर होने के मंत्र को भी पहचाना है। अब हम भारत में उन्नत एवं आधुनिक स्वदेशी शस्त्रों का निर्माण भी कर रहे हैं। स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत का निर्माण, आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, रुस्तम यूएवी ड्रोनसका डीआरडीओ द्वारा लखनऊ में निर्माण, रूस के साथ ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल,टाटा – डसाल्ट के साथ राफेल के मुख्य भाग का हैदराबाद में हम निर्माण करने वाले हैं। रक्षा उत्पादन में पिछले 10 वर्षों में 174 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रक्षा उत्पादन 2014–15 में 46529 करोड़ की तुलना में 2023–24 में 127265करोड़ हुआ है7

11 वर्ष के सफलतम कालखंड में केवल विदेशों से शस्त्र खरीद ही नहीं हमने स्वयं के आत्मनिर्भर होने के मंत्र को भी पहचाना है। अब हम भारत में उन्नत एवं आधुनिक स्वदेशी शस्त्रों का निर्माण भी कर रहे हैं। स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत का निर्माण, आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, रुस्तम यूएवी ड्रोनसका डीआरडीओ द्वारा लखनऊ में निर्माण, रूस के साथ ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल,टाटा -डसाल्ट के साथ राफेल के मुख्य भाग का हैदराबाद में हम निर्माण करने वाले हैं।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी – 17 नवंबर 2021 ('राष्ट्र रक्षा समर्पण पर्व', झांसी में) के अपने संबोधन में कहाँ कि –

'भारत अपनी रणनीतिक व सुरक्षा आवश्यकताएँ अन्य देशों पर निर्भर होकर पूरा नहीं कर सकता ... सरकार निरंतर 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में प्रयासरत है।'

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की नीति के कारण अब हम खरीदने अर्थात आयात करने वाले देश नहीं हम बेचने वाले अर्थात निर्यात करने वाले देश बन गए हैं। 2004 से 2014 अर्थात 10 वर्षों में हमने 4312 करोड़ का निर्यात किया था। 2014 से 24 में 88,319 करोड़ का हुआ है। 2024 – 25 में केवल एक वर्ष में ही हमने 23622 करोड़ का निर्यात किया है। आयात में 21त्न की कमी करके 11 वर्षों में निर्यात में 34 प्रतिशत की वृद्धि करने में देर सक्षम हुआ है. आज हम लगभग 80 से अधिक देशों में रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर में हमारे स्वदेशी शस्त्रों की सफलता को देखकर विश्व में हमारे शस्त्रों की मांग भी बढ़ गयी है।

देश को नक्सल मुक्त करने के मोदी सरकार के संकल्प ने देश के सामान्य नागरिको में सरकार के प्रति विश्वास जगाया है। नक्सली हिंसा में लिप्त आतंकी अपनी अंतिम सांस गिन रहे हैं। 2014 में नक्सल आतंकवाद से प्रभावित जिलों की संख्या 126 थी। 11 वर्षों बाद 2025 में वह संख्या मात्र 6 रह गई है। बड़े–बड़े इनामी नक्सली आतंकी मुठभेड़ में मारे गए हैं। सरकार के नक्सलमुक्त देश के संकल्प से लगता है कि भावी पीढ़ी नक्सलवाद नाम ही भूल जाएगी.

प्रत्येक प्रकार की गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए 2 सितंबर 2022 को कोच्चि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय नौसेना के नए ध्वज का अनावरण किया, जिसमें औपनिवेशिक सेंट जॉर्ज क्रॉस को हटाकर छत्रपति शिवाजी महाराज की राजमुद्रा से प्रेरित अष्टकोणीय प्रतीक को स्थान दिया गया।इसमें अशोक स्तंभ, लंगर और नौसेना का आदर्श वाक्य 'शं नो वरुण:'अंकित है, जो भारत की समुद्री विरासत और आत्मगौरव का प्रतीक है।नए भारत का संकल्प– घर में घुसकर आतंकियों को मारेंगे केवल कहना मात्र नहीं, सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक एवं ऑपरेशन सिंदूर में हमने यह करके दिखाया है। खून एवं पानी एक साथ नहीं बहेगा सिंधु नदी समझौता रद्द कर हमने आतंक के प्रति अपने दृष्टिकोण को विश्व के सामने स्पष्ट किया है। पूर्व सैनिको के कल्याण, अग्नि वीर योजना,विजयदशमी पर राफेल जैसे शस्त्रों का पूजन एवं दीपावली त्योहार में सैनिको के मध्य प्रधानमंत्री जी की उपस्थिति, सीमावर्ती सैनिक चौकियों पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह जी का प्रवास यह सभी उपक्रम हमारे सुरक्षित भारत के संकल्प को प्रकट करते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद की स्थिति, पाकिस्तान के आतंकी चेहरे को बेनकाब करने, आतंकवाद के प्रति भारत के दृष्टिकोण को विश्व के सम्मुख रखने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमण्डल देश की एकजुटता को प्रकट करने का कूटनीतिक सराहनीय प्रयास है।

भारत को सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के यह प्रयास देश की जनता में यह विश्वास जगाने में सफल हुए हैं कि मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित हाथों में है।

(लेखक– भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

गर्मी से मुकाबला

ऐसे वक्त में जब भारत के अनेक हिस्सों में तेज गर्मी से पारा उछल रहा है, तपिश से बचने के लिये बिजली की मांग में अप्रत्याशित वृद्धि स्वाभाविक बात है। आम आदमी से लेकर खास आदमी तक गर्मी की तपिश से बचने के लिये कूलर से लेकर एसी तक का भरपूर इस्तेमाल करता है। हाल के दिनों में घरों, कार्यालयों, होटलों व मॉल तक में एसी का उपयोग बेतहाशा बढ़ा है। जिसके चलते गर्मियों के पीक सीजन में बिजली की खपत चरम पर पहुंच जाती है। ऐसे वक्त में केंद्र सरकार ने एयर कंडीशनर यानी एसी की पहचान बिजली की बढ़ती खपत के लिये जिम्मेदार खलनायक के रूप में की है। केंद्र सरकार योजना बना रही है कि घरों,होटलों व कार्यालयों में बीस डिग्री से अट्ठाइस डिग्री सेल्सियस के बीच इस्तेमाल होने वाले इस उपकरण की कूलिंग रेंज को मानकीकृत किया जाए। नए दिशा–निर्देश लागू होने के बाद एसी निर्माताओं को बीस डिग्री से कम तापमान पर कूलिंग प्रदान करने वाले एसी बनाने से रोक दिया जाएगा। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल खट्टर के अनुसार केंद्र सरकार की यह पहल बिजली बचाने और भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के प्रयासों का हिस्सा है। इस बात में दो राय नहीं कि गर्मियों की तपिश से बचने के लिये लोग अपने एसी को बहुत कम तापमान पर चलाते हैं। इस प्रवृत्ति का बिजली ग्रिड पर दबाव बहुत अधिक बढ़ जाता है। निश्चित रूप से इसके चलते बिजली कटौती की संभावना भी बहुत अधिक बढ़ जाती है। लेकिन इस संकट का अकेला मुख्य समाधान एसी को बेहद कम तापमान पर चलाया जाना ही नहीं है। इसके अलावा अन्य कारक भी हैं। यह भी एक हकीकत है कि सरकारी व निजी कार्यालयों में एसी का उपयोग काफी लंबे समय तक अंधाधुंध ढंग से किया जाता है। यहां इसके उपयोग में किफायत बरतने की दिशा में भी कदम उठाने की जरूरत है। निस्संदेह, ऊर्जा मंत्रालय का ऊर्जा नियामक ब्यूरो, बिजली खपत कम करने वाले उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा देता है। लेकिन जब गर्मी रिकॉर्ड तोड़ती बढ़ रही है तो तापमान बढ़ने पर बिजली की खपत अनिवार्य रूप से बढ़ने लगती है। लेकिन इसका एकमात्र कारण एसी का बढ़ता उपयोग ही नहीं है। हमें खुद से सवाल पूछने की जरूरत है कि हमारे शहर इतने गर्म क्यों हो रहे हैं? हम इस बढ़ते तापमान से नागरिकों को राहत क्यों नहीं दे पा रहे हैं। अंधाधुंध–अवैज्ञानिक तरीके से हो रहे निर्माण कार्य भी इसमें कम दोषी नहीं हैं। हमने चारों तरफ कंक्रीट के जंगल तो बना दिए लेकिन शहरों में हरियाली का दायरा लगातार सिमटता जा रहा है। जिससे हवा का प्राकृतिक प्रवाह भी बाधित हो रहा है। विकास के नाम पर जो सैकड़ों वर्ष पुराने पेड़ काटे जाते हैं, उसकी क्षतिपूर्ति नये पेड़ लगाकर नहीं की जाती है। हम घरों को प्राकृतिक रूप से ठंडा बनाये रखने वाली भवन निर्माण तकनीक नहीं अपना रहे हैं। यदि उष्मारोधी भवन निर्माण सामग्री को बढ़ावा दिया जाए तो लोगों को कम बिजली खपत से भी राहत मिल सकती है। हमारी जीवनशैली बिजली की खपत को लगातार बढ़ा रही है। यदि हमारे देश में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बढ़ावा दिया जाए तो सड़कों पर निजी वाहनों का उपयोग कम होने से वाहनों के गर्मी बढ़ाने वाले उत्सर्जन को कम किया जा सकता है। हमें भवन निर्माण में छतों को ठंडा रखने वाली तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। ऐसी सामग्री या सिस्टम का उपयोग किया जाना चाहिए जो पारंपरिक छत की तुलना में ताप बढ़ाने वाली सूरज की रोशनी को परावर्तित कर सके। इन उपायों से हम ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को भी कम करने का प्रयास कर सकते हैं।

धर्म के आवरण में दरिंदिगी: कुछ तो गड़बड़ है

(लेखिका – निर्मल रानी/ईएमएस)

हमारे देश में जितना अधिक धर्म का ढिंढोरा पीटा जा रहा है अधर्म भी उतनी ही तेज़ी से बढ़ता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों से ऐसे मामलों में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। ख़ासतौर से जब से आसाराम,स्वामी चिन्मयानंद,गुरमीत राम रहीम,स्वामी नित्यानंद,दाती महाराज,रामपाल,आसाराम के कुपुत्र नारायण साईं,भीमानंद महाराज उर्फ़ शिवमूरत द्विवेदी,राम शंकर तिवारी उर्फ़ स्वामी परमानंद व आशु भाई महाराज जैसे स्वयंभू संतों व डेरा संचालकों से जुड़े मामले सामने आये व इनमें से कई को बलात्कार व यौन शोषण के मामले में जेल जाना पड़ा तब से तो धर्म क्षेत्र में इसतरह के कुकर्मों की गोया झड़ी सी लग गयी। देश में न जाने कितने साधु वेश धारी मंदिर के पुजारी या किसी न किसी रूप में धर्म क्षेत्र से जुड़े लोग यौन हिंसा के शर्मनाक मामलों में पकड़े जा चुके हैं।

पिछले दिनों उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में दीपक वर्मा नामक एक बलात्कारी को थाना आलमबाग़ के अंतर्गत पुलिस ने सूर्योदय से पूर्व ही सुबह सवेरे मुठभेड़ में मार गिराया ,यह व्यक्ति भी धर्म का चोला ओढ़े रहता था। स्वयं को माता का भक्त प्रदर्शित करने वाला यह कुकर्मी माता रानी के जागरण समारोहों में झांकियां सजाने व झांकियां निकालने का काम किया करता था। इस ने चंद्रनगर मेट्रो स्टेशन के नीचे से ढाई–तीन साल की बच्ची को, जो अपने पिता के साथ लेटी हुई थी,चुपके से उसका अपहरण कर उसे उठा लगाया। बाद में इस व्यक्ति ने उस बच्ची के साथ बड़ी ही बेरहमी के साथ दुष्कर्म किया था। मासूम बच्ची अभी भी गंभीर अवस्था में इलाज करा रही है। पुलिस ने माता भक्त इस आरोपी पर एक लाख का इनाम भी घोषित कर दिया था। उसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की और गत वीरवार को देर रात थाना आलमबाग क्षेत्र के मवैया के निकट एनकाउंटर में ढेर कर दिया।

भारत जैसे धर्म प्रधान देश में में यौन शोषण के मामलों का तेज़ी से बढ़ना अत्यंत चिंता का विषय है। हालाँकि देश में यौन शोषण को लेकर काफ़ी कड़े क़ानून भी बने हुये हैं फिर भी यह एक प्रमुख सामाजिक समस्या बनी हुई है। ख़ासकर धर्म क्षेत्र में कुकर्मियों व अधर्मियों का प्रवेश कर जाना धार्मिक सीख व शिक्षाओं पर भी सवाल खड़े करता है। एक अनुमान के अनुसार भारत में प्रत्येक 22 मिनट में एक बलात्कार का मामला दर्ज होता है। इसमें वह मामले शामिल नहीं हैं जो भयवश या लाज वाश अथवा सुलह सफ़ाई के बाद या फिर सामाजिक कलंक या कमज़ोर क़ानूनी व्यवस्था के कारण दर्ज नहीं होते और वह सरकारी रिकार्ड में नहीं आ पाते। अन्यथा यह आंकड़े और भी चौंकाने वाले हो सकते हैं। वैसे तो दक्षिण अफ़्रीक़ा,स्वीडन,संयुक्त राज्य अमेरिका,इंग्लैंड,मिस्र,फ़्रांस व इथियोपिया जैसे देश भी महिला शोषण व बलात्कार जैसे मामलों में बदनाम देशों की सूची में शामिल हैं। परन्तु इनमें से कोई भी देश धर्म का उस स्तर पर ढिंढोरा नहीं पीटता जितना भारत में देखने को मिलता है। स्वयं को धर्म प्रधान प्रदर्शित करने वाले भारत जैसे देश में बेशक यह एक अत्यंत गंभीर व संवेदनशील मुद्दा है।

कहीं आश्रमों,मंदिरों व चर्चों में यौन शोषण के मामले सामने आते हैं जहाँ महंत, पुजारी,पादरी जैसे धर्म के आवरण में छुपे लोगों पर गैंगरेप का आरोप लगता है। जैसे कुछ समय पूर्व कानपुर में एक पीड़िता को पहले नशीला लड्डू खिलाया गया फिर उसका यौन शोषण कर घटना का वीडियो बनाकर उसे धमकाया गया। चार महीने बाद गोविंद नगर थाने में शिकायत तो दर्ज ज़रूर हुई, लेकिन परन्तु चूँकि महंत, पुजारी, और अन्य रेपिस्ट प्रभावशाली थे इस कारण उनके विरुद्ध पुलिस ने देर से कार्रवाई की। इसी तरह मई 2025 में आगरा के एक मंदिर में 5 साल की बच्ची के साथ बलात्कार की घटना चर्चा में रही। इस मामले में पुलिस ने शुरू में आरोपी को छोड़ दिया था लेकिन वीडियो वायरल होने के बाद उसे फिर से गिरफ़्तार किया गया। इसी तरह अप्रैल 2025 में सीतापुर में एक मंदिर के पुजारी पर नाबालिग़ लड़की के साथ दुष्कर्म करने और एक पत्रकार की हत्या का आरोप लगा था। ऐसे ही सतना के नादन थाना क्षेत्र में एक कथा वाचक नारायण स्वरूप त्रिपाठी ने तीन नाबालिग़ बहनों को काल सर्प दोष की पूजा करने के बहाने अपने कमरे में बुलाकर उनका बलात्कार किया। पीड़िता बहनों के परिजनों की शिकायत पर नादन थाना पुलिस ने उसे गिरफ़्तार किया। इसी तरह कुछ समय पूर्व दिल्ली के द्वारका में बाबा मसानी नामक एक राक्षस को पुलिस ने गिरफ़्तार किया। इसने पहले तो एक महिला से पांच लाख रूपये मांगे। बाद में पैसे न मिलने से खिन्न इस दुष्ट ने उस महिला को नशीला पदार्थ खिलाकर उससे बलात्कार किया। यह बाबा माता मसानी चौकी के नाम से अपना दरबार चलाता है। यह यू ट्यूबर भी है। ऐसे ही केरल में कैथोलिक चर्च से जुड़े यौन शोषण के मामले चर्चा में रहे। एक नन ने जालंधर के रोमन कैथोलिक चर्च के बिशप पर 14 बार यौन शोषण का आरोप लगाया था । 2019 में तो पोप फ्रांसिस ने भी स्वीकार किया था कि भारत, लैटिन अमेरिका, इटली, और अफ्रीका में बिशप और प्रीस्ट द्वारा ननों का यौन शोषण हुआ है। पटना में 2017 में एक पादरी पर दो महिलाओं के साथ बलात्कार और धर्म परिवर्तन के नाम पर यौन शोषण का आरोप लगा। इसी प्रकार दिसंबर 2024 में संभल, उत्तर प्रदेश, में एक मस्जिद के मौलाना साजिद और उसके भाई पर 13 साल की बच्ची के साथ बलात्कार की कोशिश और तीन घंटे तक बंधक बनाने का आरोप लगा। पुलिस ने दोनों को गिरफ़्तार किया। एक तथ्य यह भी है कि धार्मिक संस्थानों में यौन शोषण के मामलों को अक्सर दबाने की कोशिश की जाती है। इसकी वजह यह है कि एक तो धार्मिक संस्थान समाज में सम्मानित स्थान माने जाते हैं। दूसरे यह कि वोट बैंक के चलते इनके राजनैतिक रुसूख़ भी होते हैं। यही वजह है कि ऐसे कई मामलों में, प्रभावशाली व्यक्तियों के ख़िलाफ़ कार्रवाई में देरी होती है। जैसे कि आगरा और कानपुर की घटनाओं में पुलिस की प्रारंभिक निष्क्रियता की काफ़ी आलोचना हुई थी । धर्मस्थानों में होने वाली व धर्मिकता का लिबादा ओढ़े लोगों द्वारा ऐसे घटनाओं को अंजाम देने की प्रवृति ने धार्मिक सोच धार्मिक शिक्षा व धार्मिक संस्थानों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिये हैं।

(चिंतन- मनन)

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है।

जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे।

वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी।

इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

विचार मंथन

अकूत खनिज संपदा के बाद भी अफ्रीकी देश सबसे गरीब?

(लेखक– सनत जैन)

अफ्रीकी देश बुर्किना फासो के युवा सैन्य नेता इब्राहिम त्रारे ने एक ऐसा भाषण दिया है। जिसमे वैश्विक मीडिया और औपनिवेशिक सोच पर तीखा हमला किया गया है। 34 वर्षीय त्रारे ने पश्चिमी देशों पर आरोप लगाया है, उन्होंने अफ्रीका की गरीबी, संघर्ष और पिछड़ेपन की झूठी तस्वीर दुनिया के देशों में सालों तक प्रचारित की हैं।

उन्होंने कहा कि अफ्रीका कोई भिखारी महाद्वीप नहीं है, बल्कि दुनिया को दुर्लभ खनिज, ऊर्जा संसाधनों को उपलब्ध कराने वाला विशाल आफ्रिकी महाद्वीप है। अफ्रीका सारी दुनिया को पोषित और विकसित करने वाला महाद्वीप है। सारी दुनिया अफ्रीका के खनिज संसाधनों का दोहन और उपयोग करती है। इसके बदले बड़े–बड़े पूंजीवादी देश अफ्रीका को गरीबी, भ्रष्टाचार और अशांति की ओर ले जाते हैं। त्रारे ने कहा अफ्रीका को मस्जिद नहीं, स्कूल चाहिये। उल्लेखनीय है अफ्रीका की 65 फीसदी मुस्लिम धर्म को मानती है।

अफ्रीका को अब धार्मिक कट्टरता नहीं, शिक्षा और विकास चाहिए है। 200 मस्जिदे बनाए जाने के सऊदी अरब के प्रस्ताव को उन्होंने ठुकरा दिया। उन्होंने फ्रांस, ब्रिटेन, अमेरिका और चीन जैसी ताकतों की उन शोषण की रणनीतियों को उजागर किया।जिनसे अफ्रीका को आर्थिक रूप से लूटा जा रहा है। उन्होंने कोबाल्ट, प्लेटिनम, सोना, यूरेनियम जैसे खनिजों के उत्पादन में अफ्रीका के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा, जिन क्षेत्रों से यह बहुमूल्य संपदा निकली जा रही है, उन क्षेत्रों में आज भी बिजली, शिक्षा और बुनियादी सुविधाएं नदारद हैं। उन स्थानों पर सबसे ज्यादा बदहाली और भुखमरी देखने को मिलती है। त्रारे के यह तेवर केवल एक क्रांतिकारी नेता की आवाज नहीं, बल्कि उस पूरे महाद्वीप की पीड़ा है।

जिसे दशकों से जानबूझकर आर्थिक रूप से कमजोर और पश्चिमी देशों ने अपने ऊपर निर्भर बनाकर रखा है। उनका कहना है कि पश्चिमी मीडिया अफ्रीका की सफलताओं और वास्तिवक्ता को कवर नहीं करता। पश्चिमी देशों और पूंजीपतियों के इशारे पर शोषणकारी एजेंडा मीडिया चलाता है। अब इसको बेनकाब करने का समय आ गया है। इब्राहिम त्रारे की यह गर्जना सिर्फ अफ्रीका नहीं, पूरे ग्लोबल साउथ के लिए चेतावनी के रूप में है।

त्रारे के यह तेवर उपनिवेशवाद के नए रूपों, मीडिया के दोहरे मानदंडों और वैश्विक आर्थिक अन्याय के खिलाफ एक निर्णायक लड़ाई की शुरुआत है। पश्चिमी देशों की इस लूट में अब चीन भी शामिल हो गया है। सबसे बहुमूल्य खनिज संपदा अफ्रीका महाद्वीप में है। अफ्रीकी देशों के नेताओं के साथ मिलकर अफ्रीका महाद्वीप की जनता का जो शोषण कई दशकों से स्थानीय नेताओं की मदद से हो रहा है। उसके खिलाफ इसे एक बगावत के रूप में देखा जा रहा है। अफ्रीकी देश बुर्किना फासो सैन्य अधिकारी है। उनकी यह बगावत ठीक वैसी ही है, जैसी महात्मा गांधी ने अफ्रीका मैं रहते हुए अंग्रेजों के खिलाफ बगावत का बिगुल बजाया था।

वही बिगुल अब त्रारे ने अफ्रीकी महाद्वीप में बजा दिया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सहायता को ठुकराते हुए यहां तक कह दिया है। जब हम दुनिया की सबसे महंगी खनिज संपदा सारी दुनिया के देशों को देते हैं। ऐसी स्थिति में हमें अपनी बहुमूल्य संपदा का भुगतान चाहिए, वैश्विक कर्ज और दया की हमें आवश्यकता नहीं है। निश्चित रूप से अफ्रीका की जनता ने अब अपनी सोच को बदलना शुरू कर दिया है। अफ्रीकी देशों के नेताओं के भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के खिलाफ भी वहां की जनता ने एक जंग शुरू कर दी है।

सारी दुनिया में इसे पूंजीवादी व्यवस्था के खिलाफ एक नई लड़ाई के रूप में देखा जा रहा है। भविष्य में इसका व्यापक असर पड़ना तय है। इस लड़ाई में भारत की सहभागिता महत्वपूर्ण है। महात्मा गांधी के कारण अफ्रीकी देशों की जनता में भारत के प्रति बेहतर छबि है। इसका लाभ उठाने भारत को आगे आना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत में ग्रीन हाइड्रोजन होगा 40 प्रतिशत सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में ग्रीन हाइड्रोजन की लागत में आने वाले समय में बड़ी गिरावट हो सकती है। भारत ने 2030 के अंत तक 5 मिलियन टन की हरित हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

भारत में ग्रीन हाइड्रोजन की लागत में 40 प्रतिशत तक गिरावट आने की संभावना है। इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में बड़े लक्ष्य रखने वाले भारत में ग्रीन हाइड्रोजन की लागत कम हो सकती है। यह गिरावट सरकार के समर्थन से होगा। ग्रीन हाइड्रोजन बनाने की औसत लागत धीरे-धीरे गिरकर 260 से 310 प्रति किलोग्राम के बीच आ सकती है, यानी लगभग 3 से 3.75 डॉलर प्रति किलोग्राम।

भारत हाइड्रोजन निर्माताओं को सस्ती अक्षय बिजली प्रदान करते आ रहा है, ओपन एक्सेस के लिए अंतर-राज्यीय ट्रांसमिशन शुल्क माफ किया है

सरकार की नीतियों से लागत में बड़ी गिरावट की संभावना

और वितरण और ट्रांसमिशन शुल्क कम किया गया है। साथ ही, हाइड्रोजन के लिए जीएसटी दर को घटाकर 5 प्रतिशत किया गया है।

इसके अलावा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इलेक्ट्रोलाइजर निर्माताओं के कुल सिस्टम लागत में 7 से 10 प्रतिशत की गिरावट आएगी। इलेक्ट्रोलाइजर एक ऐसा उपकरण है जो बिजली का उपयोग करके पानी को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में अलग करता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भले ही हरित हाइड्रोजन योजना भारत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन दीर्घकालिक निवेश और परियोजना को बढ़ावा देने के लिए इसमें सुधार की जरूरत है। इसमें कहा गया कि भारत में हरित हाइड्रोजन मिशन को उद्योग जगत ने उत्साह के साथ अपनाया है। हालांकि, इस क्षेत्र में स्टार्टअप को आकर्षित करने और वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धी बनने के लिए आपूर्ति श्रृंखला बनाने और मांग को सुरक्षित करने की योजना को बेहतर बनाना होगा। अगर यह सफल रहा, तो यह कृषि, परिवहन और विनिर्माण सहित कई क्षेत्रों के लिए लाभ पहुंचाएगा। साथ ही, भारत के हरित हाइड्रोजन उद्योग को बनाने में मदद कर सकता है।

20 रुपए से कम का शेयर बना रॉकेट, निवेशकों पर बरसा रहा पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। रतनइंडिया पावर लिमिटेड के शेयरों में जबरदस्त तेजी जारी है। बुधवार को बाजार खुलने के महज आधे घंटे के भीतर शेयर ने एक बार फिर जोरदार उछाल दर्ज किया। इससे पहले मंगलवार को भी यह स्टॉक करीब 18 प्रतिशत तक चढ़ा था। 20 रुपए से कम कीमत वाला यह स्टॉक इस सप्ताह अब तक 40 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दे चुका है, जिससे निवेशक और विश्लेषक दोनों ही हैरान हैं। बुधवार सुबह शेयर ने तेजी के साथ शुरुआत की और 12.70 प्रतिशत की उछाल के साथ 16.14 के स्तर तक पहुंच गया, जबकि मंगलवार को यह 14.32 पर बंद हुआ था। हालांकि इसके बाद मामूली मुनाफावसूली देखी गई और सुबह 10 बजे यह शेयर करीब 10.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 15.78 पर ट्रेड कर रहा था। इस शेयर में इस हफ्ते यानी सोमवार से लेकर अब तक जबरदस्त तेजी आई है। शुक्रवार को यह 11.19 रुपए पर बंद हुआ था। आज यानी बुधवार को यह अधिकतम 16.14 रुपए पर पहुंच गया।

1 जुलाई से केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही बुक कर सकेंगे तत्काल टिकट, रेल मंत्रालय का बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। 10 जून, 2025 के एक परिपत्र में मंत्रालय ने सभी क्षेत्रों को सूचित किया कि यह निर्णय यह सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है कि तत्काल योजना का लाभ आम अंतिम उपयोगकर्ताओं को मिले। इसके तहत अब केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही तत्काल टिकट बुक करवा सकेंगे। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। रेल मंत्रालय ने बताया है कि एक जुलाई 2025 के बाद से केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही तत्काल योजना के तहत टिकट बुक कर सकेंगे। 10 जून, 2025 के एक परिपत्र में मंत्रालय ने सभी क्षेत्रों को सूचित किया कि यह निर्णय यह सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है कि तत्काल योजना का लाभ आम अंतिम उपयोगकर्ताओं को मिले। मंत्रालय ने कहा, 01-07-2025 से तत्काल योजना के तहत टिकट भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की वेबसाइट/इसके ऐप के माध्यम से केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही बुक कर सकेंगे। इसके बाद, 15 जुलाई 2025 से तत्काल बुकिंग के लिए आधार-आधारित ओटीपी प्रमाणीकरण भी अनिवार्य कर दिया जाएगा।

सरकार ने लिया ऐसा फैसला, स्वदेशी शराब वाले स्टॉक 18% तक उछले

विदेशी लिकर से जुड़े शेयर बुरी तरह गिरे

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार के एक फैसले से शराब कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है। दरअसल, राज्य सरकार ने भारत में निर्मित विदेशी शराब पर एक्साइज ड्यूटी में बढ़ोतरी कर दी है। इस वजह से शराब कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई। हालांकि, कुछ शराब बनाने वाली कंपनियों के

शेयर तेजी से चढ़े हैं।

आज बाजार खुलने के बाद यूनाइटेड ब्रुवरीज, एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स, रेडिको खेतान और यूनाइटेड स्पिरिट्स जैसी प्रमुख शराब कंपनियों के शेयरों में 5 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई। वहीं, सुला वाइनयार्ड्स, जीएम ब्रेवरीज और सोम डिस्टलरीज के शेयरों में 11 प्रतिशत तक की तेजी आई है।

यूनाइटेड स्पिरिट्स के शेयरों में 7.75त्न, एलाइड ब्लेंडर्स में 3.24त्न, तिलकनगर इंडस्ट्री में 2त्न और रेडिको खेतान में 1.90त्न की गिरावट के साथ कारोबार हो रहा है।

वहीं, सुला वाइनयार्ड्स के शेयर 8त्न, सोम डिस्टिलरीज के शेयर 3.25त्न और जीएम ब्रेवरीज के शेयर 18 त्न की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं।

सुला वाइनयार्ड्स समेत अन्य शराब कंपनियों के शेयरों में तेजी के पीछे का कारण यह है कि निवेशकों को उम्मीद है कि महाराष्ट्र स्थित इन कंपनियों को नई पॉलिसी से महाराष्ट्र निर्मित शराब कैटेगरी से फायदा मिलेगा।

दरअसल, महाराष्ट्र कैबिनेट द्वारा मंजूर नई दरों के तहत, आईएमएफएल पर एक्साइज ड्यूटी विनिर्माण लागत के तीन गुना से बढ़कर 4.5 गुना हो जाएगा, जबकि देसी शराब पर यह शुल्क 180 रुपये से बढ़कर 205 रुपये प्रति प्रूफ लीटर हो जाएगा। सरकार के इस कदम से सालाना 14,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय होने की संभावना है।

सेंसेक्स 82,515 और निफ्टी 25,140 के पार बंद

नई दिल्ली, एजेंसी। बुधवार (11 जून) को शेयर बाजार में तेजी रही। सेंसेक्स 123 अंक की तेजी के साथ 82,515 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी में 37 अंक की तेजी रही, ये 25,141 के स्तर पर क्लोज हुआ।

इससे पहले सेंसेक्स में 310 अंक से ज्यादा की तेजी रही, ये 82,712 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी में भी करीब 102 अंक की

तेजी रही, ये 25,206 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 0.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 38,385 पर और कोरिया का कोस्पी 0.66 प्रतिशत चढ़कर 2,890 पर कारोबार कर रहा है। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.84त्न गिरावट के साथ 24,366 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.53 प्रतिशत गिरकर 3,402 पर कारोबार कर रहा है। 10 जून को अमेरिका का डाउ जोन्स 0.25 प्रतिशत बढ़कर 42,866 पर बंद हुआ। वहीं नैस्डेक कंपोजिट 0.63 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ।

सरकार चलाएगी अभियान

बैंकों में जमा हजारों करोड़ रुपए लौटाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के बैंकों में हजारों करोड़ रुपए वर्षों से लावारिस पड़े हैं, जिन पर किसी ने अब तक दावा नहीं किया है। अब केंद्र सरकार इस दिशा में गंभीर होती दिख रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सभी वित्तीय नियामकों और संबंधित विभागों को इन जमाओं के असली मालिकों की पहचान कर राशि लौटाने के लिए ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया है।

वित्त मंत्री ने कहा कि सही दावेदारों तक इन जमाओं को पहुंचाने और केवाईसी प्रक्रिया को सरल और प्रभावी बनाने की जरूरत है। इसके लिए सभी नियामकों को जिला स्तर पर विशेष शिविर आयोजित करने को कहा गया है।

सीतारमण ने कहा कि जिला स्तर पर विशेष शिविरों के जरिए इस राशि को सही मालिकों तक पहुंचाने की कोशिश की जाएगी। यह अभियान भारतीय रिजर्व बैंक, सेबी, बीमा नियामक, पेंशन नियामक, कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय और बैंकिंग संस्थाओं के सहयोग से चलाया जाएगा।

दावा न किए गए फंड्स में सिर्फ बैंकों की जमा राशि ही नहीं, बल्कि शेयर,

लाभांश, बीमा और पेंशन कोष की भी बड़ी हिस्सेदारी है।

आरबीआई की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च 2024 के अंत तक बैंकों में दावा न की गई जमा राशि 26 फीसदी बढ़कर 78,213 करोड़ रुपए हो गई थी। यह रकम वर्षों से निष्क्रिय खातों, मृतक खाताधारकों की राशि या अधूरी केवाईसी प्रक्रियाओं के कारण अटकी हुई है। वित्त मंत्रालय के बयान के अनुसार, अनिवासी भारतीयों और भारतीय मूल के लोगों के लिए भी डिजिटल केवाईसी सुविधा को आसान बनाने पर चर्चा हुई। बैठक में केवाईसी को लेकर एक समान मानदंड और डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

यह चर्चा वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद की बैठक में हुई, जिसकी अध्यक्षता खुद वित्त मंत्री सीतारमण ने की। बैठक में आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास, सेबी प्रमुख तुहिन कांत पांडे, वित्त सचिव अजय सेठ और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

एक अगस्त से यूपीआई के नियमों में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। युपीआई के नियमों में 1 अगस्त से बड़े बदलाव होने जा रहे हैं, जो देश के डिजिटल भुगतान सिस्टम की मजबूती और स्थिरता के लिए जरूरी हैं। यूपीआई पर हो रहे बढ़ते ट्रांजैक्शन के दबाव को कम करने और सिस्टम की गति बनाये रखने के लिए नई पाबंदियां

लागू की जा रही हैं। खासतौर पर बैंक बैलेंस चेकिंग, बैंक खातों की जानकारी देखने और ऑटोमेटिक सब्सक्रिप्शन पेमेंट पर सीमाएं लगाई जाएंगी। आइए जानते हैं इन बदलावों की पूरी जानकारी और उनका आपके डिजिटल लेनदेन पर क्या असर होगा।

देश में यूपीआई से हो रहे भारी ट्रांजैक्शन की वजह से सिस्टम पर लोड काफी बढ़ गया है। तकनीकी नियमों में बदलाव का उद्देश्य गैरजरूरी और बार-बार आने वाली एपीआई रिक्वेस्ट को कंट्रोल करना है ताकि यूपीआई सिस्टम की स्थिरता बनी रहे और यह तेजी से काम करता रहे।

अब आप दिन भर में केवल 50 बार अपने बैंक अकाउंट का बैलेंस यूपीआई ऐप के जरिए देख पाएंगे। इससे अत्यधिक बार बार बैलेंस चेक करने वाले उपयोगकर्ताओं पर कंट्रोल होगा।

अगर आपके मोबाइल नंबर से कई बैंक अकाउंट लिंक हैं, तो आप इन खातों की जानकारी एक दिन में सिर्फ 25 बार देख पाएंगे। इससे डेटा की अधिकता और सिस्टम पर अनावश्यक भार कम होगा।

नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम, एसआईपी जैसी सेवाओं के लिए ऑटोमेटिक पेमेंट अब केवल नॉन पीक ऑवर्स में ही किए जा सकेंगे।

यूपीआई ने डिजिटल भुगतान को आम जनता तक पहुंचा दिया है। बिना बैंक डिटेल्स के, सिर्फ मोबाइल नंबर या क्यूआर कोड से ट्रांजैक्शन करना अब आम बात हो गई है। लाखों छोटे व्यापारी, रिक्शा चालक और कंस्यूमर इससे जुड़े हैं, जो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद कर रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यूपीआई सिस्टम के लगातार बढ़ते उपयोग को देखते हुए यह कदम जरूरी था ताकि प्लेटफॉर्म सुचारू रूप से काम करता रहे। नए नियमों से तकनीकी सुधार होगा, लेकिन यूजर एक्सपीरियंस पर भी खास ध्यान रखा गया है ताकि आम जनता को कोई असुविधा न हो।

भारतीय शेयर बाजार का जलवा, अमेरिका-चीन को पछाड़ा, बना दुनिया का टॉप ग्रोइंग शेयर मॉर्केट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार ने जबरदस्त छलांग लगाते हुए वैश्विक मंच पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। मार्च 2025 की शुरुआत से अब तक भारत में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण करीब 1 ट्रिलियन डॉलर बढ़कर 5.33 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। 21 प्रतिशत की यह वृद्धि दुनिया के टॉप 10 शेयर बाजारों में सबसे तेज़ है। इस शानदार प्रदर्शन के साथ भारत ने अमेरिका और चीन जैसे दिग्गज बाजारों को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का सबसे तेज़ी से बढ़ता शेयर बाजार बनने का गौरव हासिल किया है। भारत वर्तमान में अमेरिका, चीन, जापान और हांगकांग के बाद वैश्विक स्तर पर पांचवां सबसे बड़ा बाजार है। वैश्विक स्तर पर भारत के बाद जर्मनी के बाजार ने दूसरा सबसे बड़ा लाभ दर्ज किया, जिसका एमकैप इस अवधि के दौरान लगभग 14 प्रतिशत बढ़ा। कनाडा में लगभग 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि हांगकांग में 9 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई। जापान और यूनाइटेड किंगडम में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। संयुक्त राज्य अमेरिका, जो दुनिया का सबसे बड़ा इक्विटी बाजार है, ने लगभग

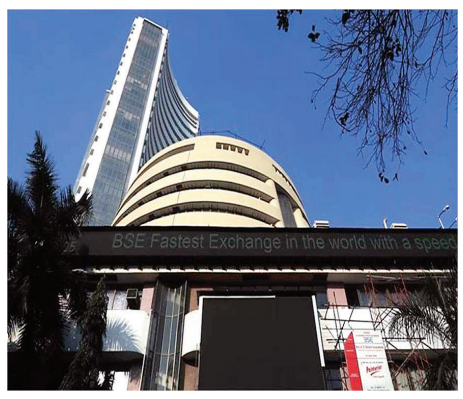

2.4 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज की, जबकि दूसरे सबसे बड़े चीन में 2.7 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। फ्रांस और ताइवान ने क्रमशः 3.9 प्रतिशत और 3.2 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की। मार्च महीने से लेकर अबतक भारत के बेंचमार्क सूचकांक, सेंसेक्स और निफ्टी में 12.5 प्रतिशत और 13.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक क्रमशः 20.7 प्रतिशत और 26 प्रतिशत से अधिक चढ़े हैं। भारतीय शेयर बाजार में रैली लौटने से निवेशकों की बंपर कमाई हुई है। इससे निवेशक एक बार फिर गदगद हैं।

ई-कॉमर्स और खुदरा व्यापार से जुड़ी नीतियों को बेहतर बनाने पर हो रही चर्चा : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि खुदरा व्यापार नीति पर भी चर्चा चल रही है क्योंकि ये दोनों एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। उद्योग व आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड से राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति तैयार करने के लिए सुझाव देने को कहा है। प्रस्तावित राष्ट्रीय ई-कॉमर्स और खुदरा व्यापार नीतियों पर चर्चा चल रही है क्योंकि दोनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। विभिन्न देशों के साथ व्यापार वार्ता के लिए विदेश दौरे पर गए वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह बात कही है। उन्होंने कहा है कि चूंकि ई-कॉमर्स क्षेत्र एक उभरता हुआ और तेजी से बदलता हुआ विषय है, इसलिए हमने कुछ विचार सामने रखे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि इसे और अधिक समसामयिक बनाने के लिए हमें नीति में संशोधन करना होगा और इस पर चर्चा चल रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि खुदरा व्यापार नीति पर भी चर्चा चल रही है क्योंकि ये दोनों एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। उद्योग व आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड से राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति तैयार करने के लिए सुझाव देने को कहा है। वर्ष 2021 में खुदरा व्यापार को सुव्यवस्थित करने और खुदरा व्यापार क्षेत्र के सभी स्वरूपों के सामंजस्यपूर्ण ढंग से विकास के लिए खुदरा व्यापार नीति का मसौदा तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य व्यापार को आसान बनाना, किफायती ऋण तक आसान और त्वरित पहुंच सुनिश्चित करना व खुदरा व्यापार के आधुनिकीकरण और डिजिटलीकरण को सुविधाजनक बनाना है। इससे पहले, मंत्रालय ने राष्ट्रीय ई-कॉमर्स नीतियों के दो प्रारूप जारी किए हैं। 2019 के मसौदे में ई-कॉमर्स पारिस्थितिकी तंत्र के छह व्यापक क्षेत्रों- डेटा, बुनियादी ढांचे का विकास, ई-कॉमर्स बाजार, नियामकीय मुद्दे, घरेलू डिजिटल अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करना और ई-कॉमर्स के जरिए निर्यात को बढ़ावा देने पर ध्यान देने का प्रस्ताव किया गया है।

रिकॉर्ड ऊंचाई पर चांदी के दाम, इस लेवल तक जाएगी कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। लगातार बढ़ रही चांदी की कीमतों ने सबको चौंका दिया। फिलहाल चांदी का भाव प्रति किलो 1 लाख से ऊपर चल रहा है और बाजार विशेषज्ञों का अनुमान है कि दिवाली तक यह 1.30 लाख प्रति किलो के पार पहुंच सकता है। यह तेजी सिर्फ आम ग्राहकों ही नहीं, बल्कि निवेशकों के लिए भी एक बड़ा संकेत मानी जा रही है। केडिया एडवाइजरी के निदेशक अजय सुरेश केडिया के मुताबिक, वैश्विक बाजार में तकनीकी ब्रेकआउट के चलते चांदी की कीमत में यह उछाल देखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि आने वाले महीनों में चांदी का भाव 1.25 लाख से 1.30 लाख प्रति किलो के बीच पहुंच सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी का भाव 37 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया है, जो एक महत्वपूर्ण स्तर माना जा रहा

है। इसके साथ ही अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव में कुछ नरमी आने से भी औद्योगिक मांग में तेजी आई है। विशेषज्ञों के अनुसार, चांदी की मांग इलेक्ट्रिक वाहनों, 5त्न तकनीक और क्लीन एनर्जी सेक्टर में सबसे अधिक है, जिससे इसकी कीमत में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। दिल्ली के सर्राफा बाजार में मंगलवार को चांदी की कीमत 1,000 की तेजी के साथ 1,08,100 प्रति किलोग्राम के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। वहीं, सोना 110 गिरकर 97,670 प्रति 10 ग्राम पर आ गया। ज्वेलर्स और स्टॉकिस्टों द्वारा की जा रही बिकवाली की वजह से सोने में यह गिरावट देखी गई।

एनसीएलटी ने आईनॉक्स विंड एनर्जी व आईनॉक्स विंड के विलय को मंजूरी दी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईनॉक्सजीएफएल समूह ने बुधवार को एक बयान में कहा कि मंगलवार को एनसीएलटी के आदेश के बाद आईनॉक्स विंड एनर्जी लिमिटेड का आईनॉक्स विंड लिमिटेड (आईडब्ल्यूएल) में विलय हो जाएगा। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की चंडीगढ़ पीठ ने आईनॉक्स विंड एनर्जी लिमिटेड और आईनॉक्स विंड लिमिटेड के विलय को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय से आईनॉक्सजीएफएल समूह के पवन व्यवसाय को सुव्यवस्थित किया जा सकेगा और समग्र परिचालन क्षमता में सुधार होगा।

आईनॉक्सजीएफएल समूह ने बुधवार को एक बयान में कहा कि मंगलवार को एनसीएलटी के आदेश के बाद आईनॉक्स विंड एनर्जी लिमिटेड का आईनॉक्स विंड लिमिटेड (आईडब्ल्यूएल) में विलय हो जाएगा। इसमें कहा गया है कि इस विलय से आईनॉक्सजीएफएल समूह के पवन ऊर्जा व्यवसाय का सरलीकरण और सुव्यवस्थितीकरण होगा, तथा समग्र परिचालन क्षमता में सुधार होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑस्ट्रेलिया गेंदबाजों के आगे दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजी लड़खड़ाई

लॉर्ड्स (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 212 रनों के स्कोर पर रोकने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी भी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में बुधवार को लडखड़ाई और उसके बल्लेबाज संघर्ष करते देखे गये। दिन का खेल समाप्त होने के समय दक्षिण अफ्रीका ने 22 ओवर में 43 रन के स्कोर पर अपने चार विकेट गवां दिये है।

बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज एडन मारक्रम(शून्य) का विकेट गवां दिया। उन्हें मिचेल स्टार्क ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद रियान रिकलटन (16) भी स्टार्क का शिकार बने। वियान मुल्डर (छह) को पैट कमिंस ने बोल्ड आउट किया। वहीं ट्रिस्टन स्टब्स (दो) को जॉश हेजलवुड ने बोल्ड आउटकर ऑस्ट्रेलिया की मैच में वापसी करा दी। दिन का खेल समाप्त होने के समय दक्षिण अफ्रीका 43 रन पर चार विकेट गवांकर संघर्ष करती दिखी। कप्तान टेम्बा बावूमा (नाबाद तीन) और डेविड बेडिघंम (नाबाद आठ) क्रीज पर मौजूद है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टार्क ने दो विकेट लिये। जॉश हेजलवुड और पैट कमिंस ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले कगिसो रबाडा (पांच विकेट) और मार्को यानसन (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने बल्लेबाजी कर रही ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 212 रन के स्कोर पर ढ़ेर कर दिया था। भोजनकाल के बाद स्टीव स्मिथ और बो वेब्स्टर ने ऑस्ट्रेलिया पारी को संभाला । दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट लिए 79 रनों की साझेदारी हुई। 42वें ओवर में एडन मारक्रम ने स्टीव स्मिथ को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। स्टीव स्मिथ ने 10 चौकों की मदद से 66 रनों की पारी खेली। इसके बाद एलेक्स कैरी (23) रन बनाकर केशव महाराज को शिकार बने। इसके बाद रबाड़ा और यानसन ने ऑस्ट्रेलिया पारी को समेटने में देर नहीं लगाई। बो वेब्स्टर ने 11 चौकों की मदद से (72) रनों की पारी खेली। उन्हें रबाड़ा ने आउट किया। कप्तान पैट कमिंस (एक) और मिचेल स्टार्क (एक) को रबाड़ा ने बोल्ड आउट किया।

नेथन लायन (शून्य) को मार्को यानसन बोल्ड किया। दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया की टीम को 56.4 ओवर में 212 के स्कोर पर ढ़ेर कर दिया। लार्ड्स के मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और उसने सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा (शून्य) का विकेट 12रन के स्कोर पर गवां दिया। उन्हें कगिसो रबाडा ने बेडिघम के हाथों कैच आउट कराया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कैमरन ग्रीन (चार) को भी रबाड़ा ने आउट किया। जमने का प्रयास कर रहे मार्नस लाबुशेन (17) को 18वें ओवर में मार्को यानसन ने

आउटकर ऑस्ट्रेलिया को तीसरा झटका दिया। इसके बाद ट्रैविस हेड (11) भी मार्को यानसन का शिकार बने। यानसन के आउट होते भोजनकाल की घोषणा कर दी गई। दक्षिण अफ्रीका ने भोजनकाल तक ऑस्ट्रेलिया के 23.2 ओवर में 67 रन चार विकेट झटकर मैच में अपना दबदबा बना लिया था दक्षिण अफ्रीका की ओर से कगिसो रबाड़ा ने पांच और मार्को यानसन ने तीन विकेट लिये। केशव महाराज और एडन मारक्रम ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

आईएसएसएफ विश्व कप: सिफत कौर ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में जीता कांस्य

म्यूनिख (एजेंसी)। शीर्ष भारतीय निशानेबाज सिफत कौर सामरा ने बृहस्पतिवार को यहां ISSF विश्व कप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच कांस्य पदक जीता। महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में मौजूदा विश्व रिकॉर्ड धारक 23 वर्षीय सिफत ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 453.1 अंक बनाए।

नॉर्वे की जीनेट हेग ड्यूस्टेड ने 466.9 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि स्विट्जरलैंड की एमिली जैगी ने 464.8 अंक के साथ रजत पदक हासिल किया। एमिली 590 अंक के साथ क्वालीफिकेशन में नौवें स्थान पर रहीं थी लेकिन फाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं क्योंकि शीर्ष आठ में शामिल दो निशानेबाज केवल रैंकिंग अंक (आरपीओ) के लिए निशानेबाजी कर रहीं थी।

क्वालीफिकेशन में सिफत ने नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग के तीन चरण में कुल 592 अंक हासिल करके दूसरा स्थान हासिल किया। इस साल की शुरुआत में ब्यूनस आयर्स में हुए विश्व कप में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था जिससे 2024 पेरिस ओलंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद इस सत्र की शानदार शुरुआत हुई। फ्रांस की अगाथे सेसिल कैमिली गिरार्ड ने भी क्वालीफिकेशन में 592 अंक हासिल किए लेकिन 10 अंक के अंदरूनी हिस्से (एक्स) में अधिक निशाने के कारण शीर्ष पर रहीं।

स्विट्जरलैंड की ऑड्रे गोगनियाट क्वालीफिकेश में तीसरे स्थान पर रहीं। अन्य भारतीयों में आशी चौकसे क्वालीफिकेशन में 589 अंक के साथ 11वें स्थान पर रहीं जबकि अंजुम मौदगिल ने 586 अंक के साथ 27वां स्थान हासिल किया। श्रीयंका सदांगी 582 अंक के साथ 53वें स्थान पर रहीं और निश्चल 60वें स्थान पर रहीं।

इंग्लैंड टीम को सीरीज से पहले ही करारा झटका, तेज गेंदबाज टंग चोटिल हुए, युवा गेंदबाज एडी जैक शामिल

-युवा गेंदबाज एडी जैक शामिल

लंदन(एजेंसी)। भारतीय टीम के खिलाफ 20 जून से शुरु हो रही टेस्ट सीरीज से पहले ही मेजबान इंग्लैंड टीम को करारा झटका लगा है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोश टंग चोटिल हो गये हैं। ऐसे में उनका पहले टेस्ट में खेलना संभव नजर नही आता। इसको देखते हुए इंग्लैंड टीम प्रबंधन ने 19 वर्षीय युवा गेंदबाज एडी जैक को कवर के तौर पर टीम में शामिल किया है। पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में शुरु होगा। टीम में शामिल एडी जैक ने अभी तक केवल दो फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं, दोनों इंडिया ए के खिलाफ, और दोनों ही ड्रॉ रहे थे।. नॉर्थम्प्टन में खेले गए दूसरे अनौपचारिक टेस्ट में इस गेंदबाज ने दो विकेट लिए थे। इसके बाद भी टीम प्रबंधन ने इस युवा तेज गेंदबाज पर भरोसा जताया है। छह फीट चार इंच लंबे 19 साल के इस गेंदबाज ने इंग्लैंड लॉयंस के लिए खेलते हुए अपने प्रदर्शन से कोच ब्रेडन मैक्कुलम को प्रभावित किया था। जैक ने इंडिया ए के खिलाफ पहले मुकाबले में यशस्वी जायसवाल सहित दो खिलाड़ियों को आउट किया था। इस गेंदबाज को इंग्लैंड लॉयंस में बिना किसी फर्स्ट क्लास मैच के अनुभव के शामिल किया गया था। जैक ने अभी तक 11 लिस्ट ए मुकाबलों में 19 और तीन टी20 मैचो में दो विकेट लिए हैं। इस युवा गेंदबाज ने इंग्लैंड अंडर 19 टीम की ओर से भी खेला है। इस टीम के साथ वह इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर भी पहुंचे थे। तब उनकी गेंदबाजी ने सभी का ध्यान खींचा था। मई में जिम्बाब्वे के खिलाफ अभ्यास मुकाबले में भी वह टीम में शामिल थे। तब इस गेंदबाज ने पांच विकेट लिए थे।

मौजूदा फॉर्म और गेंदबाजी संयोजन पर होगी भारतीय टीम प्रबंधन की नजर

बेकेनहैम (केंट) (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला से पहले भारत की सीनियर टीम और भारत ए के बीच शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले चार दिवसीय अभ्यास क्रिकेट मैच में टीम प्रबंधन सही संयोजन तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। इस मैच में कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा के प्रदर्शन पर निगाह रहेगी और भारतीय टेस्ट टीम की अंतिम एकादश में जगह बनाने के लिए इन दोनों के बीच दिलचस्प मुकाबला होने की संभावना है।

यह मैच 20 जून से हेडिंग्ले में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच से पहले सीनियर टीम का एकमात्र अभ्यास मैच होगा। किसी भी श्रृंखला से पहले इस तरह के मैच टीम की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में भारतीय टीम ने यह मैच खाली स्टेडियम में खेलने का विकल्प चुना है ताकि विपक्षी टीम को उनकी रणनीति की भनक नहीं लग सके। यूरोपीय फुटबॉल क्लब लंबे समय से ऐसा करते रहे हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे में भी ऐसा किया था। भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने बुधवार को कहा था कि यह मैच भारत की तैयारी की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि सामान्य अभ्यास सत्रों से एक दिन में 90 ओवर गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण करने की क्षमता विकसित करना मुश्किल होता है। इस चार दिवसीय मैच को आधिकारिक तौर पर प्रथम श्रेणी का दर्जा प्राप्त नहीं है। इसमें यदि कोई बल्लेबाज सस्ते में आउट हो जाता है तो उसे दूसरा मौका मिलता है।

इस मैच से भारतीय टीम प्रबंधन को मैच की परिस्थितियों में अपने खिलाड़ियों विशेष कर गेंदबाजों का आकलन करने का अच्छा मौका मिलेगा। इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि गेंदबाज़ चाहे वह स्पिनर हो या तेज़ गेंदबाज वास्तविक मैच में अपेक्षित लय में हों। हेडिंग्ले के लिए एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर को चुनने के लिए गंभीर को कुछ माथापच्ची करनी होगी। जडेजा का विदेश में बल्लेबाजी रिकॉर्ड अच्छा रहा है लेकिन अगर भारत को 20 विकेट हासिल करने हैं तो फिर कुलदीप की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाएगी। कुलदीप यहां की परिस्थितियों में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अच्छे सहयोगी साबित हो सकते हैं। जडेजा बनाम कुलदीप अंतिम एकादश के लिए सबसे बड़ी पहेली है जिसे गंभीर और कोचिंग स्टाफ को सुलझाना होगा। इसी तरह इस मैच से कोचों और कप्तान शुभमन गिल को यह देखने का मौका मिलेगा कि आकाश दीप की फुल लेंथ या प्रसिद्ध कृष्णा की बैक ऑफ द लेंथ में से कौन सी गेंद इन परिस्थितियों में बेहतर काम करती है। छह महीने बाद लाल गेंद से मैच खेलने वाले बुमराह को कई स्पैल में गेंदबाजी करने और अपनी फिटनेस को परखने का मौका मिलेगा। पीठ के निचले हिस्से में लगी चोट से वापसी के बाद से उन्होंने सिर्फ आईपीएल खेला है।

आईसीसी रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा

दुबई ।आईसीसी की ताजा रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ी छाये हुए हैं ।इसमें शीर्ष 10 में से छह भारतीय हैं जिनमें तीन बल्लेबाज शामिल है । इसमें तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव और अभिषेक शर्मा हैं ।बल्लेबाजों में तिलक वर्मा ताजा रैंकिंग में एक स्थान ऊपर आकर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं ।वहीं सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर बने हुए हैं ।सूर्यकुमार छठे स्थान पर फिसल गए हैं ।गेंदबाजों की रैंकिंग में रहस्यममीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती तीसरे और रवि बिश्नोई सातवें नंबर पर हैं ।तिलक के 804 रेटिंग अंक हैं और वह अपने ही साथी खिलाड़ी अभिषेक शर्मा से पीछे हैं ।वहीं ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर एक पर बने हुए हैं ।सूर्यकुमार एक स्थान नीचे आकर छठे स्थान पर हैं ।गेंदबाजी रैंकिंग में वरुण 706 और बिश्नोई 674 के अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह 653 भी शीर्ष 10 में शामिल हैं ।ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या 252 रेटिंग अंक के साथ सूची में नंबर एक पर हैं ।इंग्लैंड के आदिल राशिद गेंदबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं । राशिद के 710 अंक हैं वहीं नंबर एक पर चल रहे न्यूजीलैंड के जैकब डफी के 723 अंक हैं ।राशिद के टीम के साथी ब्राइडन कार्स 16 स्थान ऊपर आकर 52वें स्थान पर पहुंच गए हैं ।इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट 48 स्थान के लाभ से 16वें स्थान पर हैं ।वहीं सीरीज में नाबाद 35 और 34 रन बनाने वाले हैरी ब्रूक संयुक्त 38वें स्थान पर ।

अंडर-19 टीम के साथ इंग्लैंड दौरे की तैयारियों में लगे हैं वैभव

मुम्बई ।आईपीएल के इस सत्र में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से स्टार बने 14 साल के वैभव सूर्यवंशी अब अंडर-19 टीम के साथ इंग्लैंड दौरे की तैयारियों में लग गये हैं ।वैभव ने इसी दौरान 90 गेंदों में 190 रन बना दिये। वैभव ने नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अभ्यास मैच के दौरान 200 से अधिक की स्ट्राइक रेट से रन बनाये ।भारतीय अंडर-19 टीम 24 जून से 23 जुलाई 2025 तक इंग्लैंड दौरे पर रहेगी। ये टीम इस दौरान मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पांच एकदिवसय और दो चार दिवसीय मैच खेलेगी ।इसके अलावा 50 ओवर का एक अभ्यास मैच भी होगा ।वैभव सूर्यवंशी इंग्लैंड दौरे पर कप्तान आयुष म्हात्रे के साथ पारी की शुरुआत करते नजर आएंगे ।वैभव ने अपनी पहचान 12 साल की उम्र से ही पहली बार तब बनायी थी जब उन्होंने रणजी ट्रॉफी में सबसे कम उम्र में डेब्यू कर सबको हैरान कर दिया था ।वहीं जब उन्होंने आईपीएल 2025 में 35 गेंद में शतक लगाय तो सभी देखते रह गये ।उन्होंने यह पारी भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की टीम गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेली थी. यह आईपीएल में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड भी है। एनसीए में खेले गए अभ्यास मैच में भी वैभव सूर्यवंशी ने वही अंदाज दिखाया जिसके लिए उन्होंने अपनी पहचान बनाई है। वैभव ने मंगलवार को खेले गए इस प्रैक्टिस मैच में लॉन्ग-ऑन, मिडविकेट के ऊपर से लंबे-लंबे छक्के जड़े. इतना ही नहीं उन्होंने पॉइंट के ऊपर से भी छक्का मारा। उनकी इस पारी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

डैरेन सैमी का दावा, फैंचाइजी टी20 लीग में खेलने के लिए और खिलाड़ी लेंगे संन्यास

स्पोर्ट्स डेस्क। डैरेन सैमी ने निकोलस पूरन के संन्यास के बारे में बात की, जिन्होंने कई अन्य लोगों की तरह हाल ही में कई कारकों से राष्ट्रीय टीमों की तुलना में फ्रैंचाइजी-आधारित टी20 लीग खेलना ज़्यादा पसंद किया है। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20आई के बाद जिसमें वेस्टइंडीज को 0-3 से हार का सामना करना पड़ा, सैमी ने पत्रकारों से बातचीत में जब पूरन, क्लासेन और अन्य के संन्यास के बारे में पूछा गया तो उन्होंने दावा किया कि उनकी अंतरात्मा ने उन्हें इस तरह की घटना के होने का संकेत दिया था। सैमी ने दावा किया कि उन्हें पूरन जैसे किसी खिलाड़ी को टीम में रखना अच्छा लगता, लेकिन उन्होंने कहा कि वह किसी खिलाड़ी के करियर को नियंत्रित नहीं कर सकते। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच को खुशी है कि पूरन ने अपने फैसले के बारे में पहले ही बता दिया क्योंकि टी20 विश्व कप 2026 बहुत दूर नहीं है। सैमी ने कहा, 'मेरी सहज बुद्धि ने मुझे बताया कि ऐसा कुछ होगा। आदर्श रूप से, ऐसी प्रतिभा वाले खिलाड़ी को मैं टीम में रखना पसंद करूंगा। लेकिन मैं किसी के करियर को नियंत्रित नहीं कर सकता, मैंने उन्हें शुभकामनाएं दी, और उन्होंने टीम को शुभकामनाएं दीं। अब निकोलस पूरन के बिना गेम प्लान बनाने से आगे बढ़ने की कोशिश करने की बात है। विश्व कप आने वाला है, मैं इस तथ्य का सम्मान करता हूं कि उन्होंने हमें काफी पहले ही बता दिया था इसलिए हमारे पास उनके बिना योजना बनाने के लिए अधिक समय है।' पूर्व कप्तान को लगता है कि टी20 क्रिकेट जिस तरह से काम करता है, उसे देखते हुए अधिक क्रिकेटर पूरन के रास्ते पर चल सकते हैं। दो बार टी20 विश्व कप जीतने वाले कप्तान को लगता है कि खिलाड़ियों को वेस्टइंडीज के लिए खेलने के लिए प्रेरित करना व्यक्तियों के लिए एक चुनौती है। उन्होंने कहा कि हेनरिक क्लासेन, क्विंटन डी कॉक और ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ियों ने भी इसी तरह का रास्ता अपनाया है। सैमी ने कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि इस दिशा में और भी लोग इसी मूड में आगे बढ़ेंगे। टी20 क्रिकेट अब ऐसा ही है, और खास तौर पर वेस्टइंडीज से, जहां हम अपने खिलाड़ियों को शिखर

पर खेलने के लिए प्रेरित रखने की कोशिश में चुनौतियों का सामना कर रहे हैं इसलिए मुझे आश्चर्य नहीं होगा। आपने देखा होगा कि हर कोई हेनरिक क्लासेन, क्विंटन डी कॉक, इन लोगों के बारे में बात करता है, जो रिटायर हो चुके हैं। यह हमारे नियंत्रण से बाहर है।'

स्टार्क आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने, शमी का रिकार्ड तोड़ा

लॉर्ड्स ।ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में एक अहम रिकॉर्ड अपने नाम किया है। अब स्टार्क आईसीसी टूर्नामेंटों के फाइनल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं ।स्टार्क ने इसी के साथ ही भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का रिकॉर्ड तोड़ा। स्टार्क ने यह उपलब्धि डब्ल्यूटीसी फाइनल के पहले ही दिन हासिल की। स्टार्क ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहली पारी में 7 ओवर में 10 रन देकर 2 विकेट लिए। उन्होंने पहले ओवर में ही दक्षिण अफ्रीकी सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम को पेवेलियन भेज दिया ।आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में सबसे अधिक 10 विकेट लेने का रिकॉर्ड शमी के नाम था पर अब स्टार्क ने इस रिकॉर्ड को अपने नाम कर लिया है ।. शमी ने 6 पारियों में 10 विकेट लिए थे पर स्टार्क के नाम अब 11 विकेट हो गए हैं ।स्टार्क ने साल 2015 में न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में दो विकेट लिए थे। वहीं भारत के खिलाफ डब्ल्यूटीसी 2023 फाइनल में चार विकेट लिए थे।

उन्होंने भारत के खिलाफ एकदिवसीय विश्व कप 2023 फाइनल में भी तीन विकेट लिए थे ।वहीं सबसे अधिक विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट हैं ।उनके 5 पारियों में 8 विकेट हैं ।वहीं भारत के रवींद्र जडेजा के नाम भी आठ विकेट हैं ।स्टार्क के डब्ल्यूटीसी 2023-2025 में कुल 74 विकेट हो गये हैं ।पैट कमिंस के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं ।डब्ल्यूटीसी चक्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड जसप्रीत बुमराह के नाम है, जिन्होंने 77 विकेट लिए हैं ।स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में इयान बॉथम 383 को भी पीछे छोड़ दिया है ।इस प्रारूप में उनके 384 विकेट हैं ।मिचेल स्टार्क ने दोनों सलामी बल्लेबाजों ऐडन मारर्कम को शून्या वहीं रेयान रिकेल्टन को 16 रनों पर ही आउट कर दक्षिण अफ्रीकी टीम को करारा झटका दिया। वही कप्तान पैट कमिंस और जोश हेजलवुड ने भी एक-एक विकेट लिया।

श्रेयस को इंग्लैंड दौरे के लिए जगह मिलनी चाहिये थी : गांगुली

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए बल्लेबाज श्रेयस अय्यर शामिल किया जाना था। गांगुली के अनुसार श्रेयस का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में काफी अच्छा रहा है। इसके बाद भी उन्हें टीमें में जगह नहीं मिलना हैरानी की बात है। श्रेयस की कप्तानी में टीम इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) 2025 के अलावा कई अन्य घरेलू टूर्नामिंटों के भी फाइनल में पहुंची है। आईपीएल में उन्होंने पंजाब की ओर से सबसे अधिक 604 रन बनाये थे। गांगुली के अनुसारन श्रेयस को उनके इस प्रदर्शन के आधार पर टीम में जगह मिलनी चाहिये थी।

गांगुली ने कहा, पिछले एक साल में वह अपना सर्वश्रेष्ठ खेल रहा है और उसे इस टीम में होना चाहिए था। पिछला एक साल उसके लिए शानदार रहा है। वह ऐसा खिलाड़ी नहीं है जिसे बाहर रखा जाए। वह अब दबाव में रन बना रहा है, जिम्मेदारी ले रहा है और शॉर्ट बॉल को अच्छी तरह खेल रहा है। टेस्ट क्रिकेट हालांकि अलग होता है पर अगर मैं चयन समिति में होता तो उसे शामिल करता, जिससे पता चले वह क्या कर सकता है।

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होगी। पांच मैचों की इस सीरीज से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ययूटीसी) 2025-27 चक्र की शुरुआत होगी। यह सीरीज भारतीय टीम के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि टीम युवा कप्तान के नेतृत्व में उतरेंगीहै। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि रोहित शर्मा , विराट कोहली और आर अश्विन के बिन भारतीय टीम किस प्रकार का प्रदर्शन करती है।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी

जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद। सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

ख्वाजा डब्ल्यूटीसी फाइनल में सबसे अधिक गेंद खेलकर शून्य पर आउट होने वाले तीसरे खिलाड़ी बने

लॉर्ड्स । ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा यहां लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरु हुए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में अपना खाता भी नहीं खोल पाये ।ख्वाजा सबसे अधिक गेंद खेलकर शुन्य पर आउट होने वाले संयुक्त रुप से तीसरे बल्लेबाज बन गये हैं। ख्वाजा सातवें ओवर में तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने अपना शिकार बनाया। उन्होंने अपनी पारी में 20 गेंदें खेली थीं। वहीं डब्ल्यूटीसी में इससे पहले तीन सलामी बल्लेबाजों डेविड वार्नर ने 22 गेंदें, शॉन मार्श ने 21 गेंदें और सैमी जोन्स ने 20 गेंदें खेली थीं ।इस मैच में टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। टॉस जीतने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने कहा, हमने सबसे अच्छा संयोजन चुना है ।ये एक बेहतर फाइनल रहेगा ।वहीं ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि पहले बल्लेबाजी में समस्य नहीं है ।ये विकेट अच्छा लग रहा है। सभी खिलाड़ियों ने अच्छी तैयारी की है ।टीम बिना किसी दबाव के उतरी है और उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना है।

भारत अच्छी तैयारी के साथ आया होगा, लेकिन हम जानते हैं कि हमें कहां पहुंचना है : मैकुलम

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि भारत पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए अच्छी तैयारी और आत्मविश्वास के साथ यहां आया होगा लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उनके खिलाड़ी इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं कि 'एक टेस्ट टीम के रूप में हम कहां पहुंचना चाहते हैं।' भारत अपने नए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की शुरुआत 20 जून से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के साथ करेगा।

मैकुलम ने स्काई स्पोर्ट्स क्रिकेट से कहा, 'वह शानदार क्रिकेट खेलने वाला देश है, जो बड़ी उम्मीदों के साथ यहां आया होगा और हम उनकी चुनौती के लिए तैयार हैं।' इंग्लैंड ने हाल ही में छह मैचों की सफ़ेद गेंद की श्रृंखला में वेस्टइंडीज़ का सफ़ाया किया। अब उनका ध्यान लाल गेंद के प्रारूप पर है क्योंकि वे भारत और इस साल के अंत में होने वाली एशेज की तैयारी कर रहे हैं। मैकुलम ने कहा, ''यह महत्वपूर्ण है कि खिलाड़ी तरोताजा रहें। हम जानते हैं कि टेस्ट टीम के रूप में हमें कहां पहुंचना है।'

इंग्लैंड की टीम में तेज गेंदबाज मार्क वुड नहीं होंगे, जो चोट के कारण कम से कम पहले तीन टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनके साथी तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी शुरुआती टेस्ट से बाहर रहेंगे, जबकि गस एटकिंसन अब भी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव से उबर रहे हैं। मैकुलम को हालांकि इंग्लैंड के गेंदबाजी विकल्पों पर पूरा भरोसा है। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, 'हमारे कुछ अच्छे तेज गेंदबाज खेलने के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे लेकिन हमारे पास क्रिस वोक्स, सैम कुक, ब्रायडन कार्स, जेमी ओवरटन, जोश टंग के रूप में तेज गेंदबाजी विभाग में अच्छा और विविधतापूर्ण आक्रमण है।'

उन्होंने कहा, 'स्पिन विभाग में हमारे पास शोएब बशीर हैं, जो टेस्ट क्रिकेट में लगातार अपने खेल में सुधार कर रहे हैं। हम जानते हैं कि भारत के खिलाफ हमारी परीक्षा होगी और वे पूरी तैयारी के साथ उतरेंगे।' भारत अनुभवी विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन के बिना एक नए युग की शुरुआत करेगा। यह तीनों खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। भारतीय टीम की अगुआई शुभमन गिल करेंगे और इसमें साई सुदर्शन और यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ी शामिल हैं।

इंग्लैंड ने ऑलराउंडर जैकब बेथेल को फिर से टीम में शामिल किया है और मैकुलम ने इस 21 वर्षीय खिलाड़ी की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'बेथेल के सामने अभी लंबा करियर है। वह अभी केवल 21 साल का है और उसके पास अपनी प्रतिभा को दिखाने का

मौका है। वह ड्रेसिंग रूम में पहले ही अपनी पैठ बना चुका है।' मैकुलम ने जेमी स्मिथ और बेन डकेट का भी विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''जेमी स्मिथ और बेन डकेट ने मुझे टेस्ट मैच में डकेट और जैक क्रॉली की जोड़ी की याद दिला दी है। हम जानते हैं कि डकेट कितने अच्छे बल्लेबाज हैं, लेकिन स्मिथ के पास जो ताकत है वह अद्भुत है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हेल्थ के साथ पाएं वेल्थ

आज आयुर्वेद का जमाना है और लोग अंग्रेजी दवाइयां खाकर ऊब चुके हैं, यही नहीं इन दवाओं के साइड इफेक्ट से लोग हमेशा डरते रहते है। यदि कोई गंभीर बीमारी है तो चेकअप वगैरह कराने में ही दम फूल जाता है।

आम आदमी तो किसी सरकारी हॉस्पिटल की राह देख लेता है, पर अमीर की बात ही कुछ और है, क्यों कि वह हेल्थ इंश्योरेंस के सहारे निजी अस्पतालों में इलाज करा लेता है और उस पर असर नहीं के बराबर पड़ता है।

- आज भागमभाग की जिन्दगी में लोग अपने पुराने आचार-विचार को भूल कर प्रदूषण की दुनिया में जीवन यापन कर रहे हैं। ऐसा कोई घर नहीं है, जहां कोई बीमार ना हो, लेकिन ना तो उनके पास व्यायाम का समय है ना खाने न पीने का। ऐसे में बीमारियों का लगना कौन रोक सकता है।
- लोगों में प्रतिरोधक-शक्ति का विकास हो और आदमी में बीमारी से लड़ने की शक्ति जागृत हो तो छोटी-मोटी बीमारियां आदमी के ऊपर अटैक नहीं कर पाएंगी।
- हर रोज नए आयुर्वेदिक नुस्खे बताए जा रहे हैं और उनको मार्केट में डाला जा रहा है।
- डाबर के उत्पाद बाजार में छाए है बैद्यनाथ, झंडू और भी जाने कितने ही आयुर्वेद की कम्पनी जैसे रामदेव, आसाराम, सुदर्शन महाराज, महर्षि आयुर्वेद काम कर रही हैं।

फायदेमंद नुस्खा

शुगर के मरीजों को अक्सर काफी परेशानियों का सामना करना होता है। जरा से कोई बताए कि फलां औषधि फायदेमंद है, वे या उनके परिजन तुरंत ट्राई करने में लग जाते हैं। लेकिन रिस्क भी काफी रहती है।

- आइए जानते हैं एक नुस्खे के बारे में जो शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद है।
- पनीर डोडा नाम की जड़ी-बूटी आपको अत्तार के दुकान पर आसानी से मिल जाएगी। आधे गिलास पानी में इसके 8-10 फल रात को पानी में भिगो दीजिये। सुबह होते ही इनको मसल के छान लें, अब जो पानी बचा है, उसको सुबह निन्हें मुंह यानी खाली पेट पी लें, एक हफ्ते में आपको लगने लगेगा कि आपका शुगर लेवल काम हो रहा है। यदि आप चाहे तो दो टाइम भी ले सकते हैं, साथ ही सुबह और शाम टहलना जारी रखें।
- खाना ना पचने वालों के लिए भी एक उपाय है। की वह भोजन के दौरान पानी कम पीएं और खाना खाने के बाद दो घंटे बाद कम से कम एक लीटर पानी पीने की आदत डालें।
- यदि आप चाहते हैं कि आपको पथरी की शिकायत ना हो तो आपको चाहिए की खाना खाने के बाद निश्चित रूप से मूत्र विसर्जन करने की आदत डालें।

एलोविरा

आयुर्वेद की दवाइयां काफी प्रचलित हो रही हैं। आपने एलोविरा का नाम तो सुना ही होगा। यदि एलोविरा का बना कोई भी उत्पाद लें तो उसके लाभकारी परिणाम सामने आएंगे?

हर तरह से है लाभकारी

यदि आप एलोवेरा का प्रयोग शुरू करते हैं तो लाभ निश्चित है। कोई भी इसके फायदे को नकार नहीं सकता है।

- एलोविरा जेल के उपयोग से बहुत- सी असाध्य बीमारियां ठीक होती हैं।

आयुर्वेद में कहां से आया वेल्थ

बाजार में बहुत सी आयुर्वेदिक कम्पनी सक्रिय हैं, जिनके उत्पाद सिर्फ अपने सदस्यों को ही देती हैं। साथ ही उस पर इंसेंटिव भी देती है। इनको नेटवर्क से जोड़कर वे लोगों की औसत आमदनी का जरिया बना रही हैं। यदि कोई इनसे जुड़ना चाहता है तो जुड़ भी सकता है। इसका लाभ यह होता है कि इससे किसी लाइलाज बीमारी का इलाज संभव हो जाता है साथ ही दुआएं भी मिलती हैं।

- एक साइट है फॉरएवरलिविंग.कॉम इस पर जाकर इनके प्रॉडक्ट को देखा जा सकता है और किसी के माध्यम से जुड़ सकते हैं।
- यह संस्था दावा करती है कि गठिया, दमा, हृदय रोग, पाचन समस्या, किडनी समस्या, मोटापा एवं त्वचा संबंधी रोग का निदान संभव है।
- नियमित खान-पान और निश्चित व्यायाम आपके शरीर को निरोगी बना सकता है, पर समय देना आपके ऊपर है। ऐसे में आपको निर्णय लेना है कि आप धन देकर सेहतमंद रहना चाहते हैं या नियमित दिनचर्या से।
- शरीर आपका है और आप ही इसकी रखवाले हैं तो निरोगी काया रहेगी तो माया तो कमा ही सकते हैं।

खुशियों का खजाना आपके ही पास है

आइए इस बात को थोड़ा और आसान ढंग से समझते हैं। याद कीजिए कि पिछली बार कब आपने अपने शरीर और आत्मचेतना को तनावमुक्त और गैर बोझिल महसूस किया था। उस मनोदशा की विशिष्ट ऊर्जा ने आपको अपने काम में अच्छा प्रदर्शन करने, लोगों के साथ गहराई से जुड़ने, काम में खुलकर रचनात्मकता की अभिव्यक्ति करने, रेंगते हुए ट्रैफिक में मुस्कराने, जाम के खुलने का मुस्कराते हुए इंतजार करने और घर लौटकर परिवार के साथ प्यार के पलों को बांटने के लिए प्रेरित किया होगा। कल्पना कीजिए इसी खुशी की फसल अगर आप हर दिन काट सकें, तो कितना अच्छा हो? अगर आप अपना ध्यान पूरी तरह से केन्द्रित करें, तो सच्ची प्रसन्नता को हासिल करना कोई मुश्किल काम नहीं है।

मालीक्युलर बॉयोलॉजिस्ट से बौद्ध भिक्षु बने मैथ्यू रिकार्ड ने शताब्दियों पुराने बौद्ध दर्शन के बौद्धिक संदेशों को आधुनिक वैज्ञानिक शोधों के निष्कर्षों के साथ जोड़ने का सार्थक प्रयास किया है। उनकी सोच के अनुसार खुश रहना मात्र एक सुखद अहसास, एक सुंदर भाव या एक अच्छे मूड से ही संबंधित नहीं है, बल्कि ये आपका बुनियादी सुखद अस्तित्व है। यह संसार की व्याख्या करने का एक तरीका है। संसार को बदलना मुश्किल होगा, पर संसार को देखने के नजरिए को बदलना तो संभव है।

निश्चित तरीका नहीं

यह सच है कि खुशी पाने का कोई एक निश्चित तरीका या फार्मूला नहीं है। इसलिए वही तरीका या ढंग अपनाएं, जो आपके लिए उपयुक्त हो। इस संदर्भ में आपको अपने ही अंदर खुशी का खजाना खोजने का दृढ़ संकल्प लेना होगा। आपको कुछ ऐसी आदतों को अपनाना होगा, जिनका पालन शताब्दियों से प्रबुद्ध लोग करते आए हैं। इन प्रबुद्धजनों की बातों को न्यूरो-साइंटिफिक रिसर्च में भी सही पाया गया है।

ध्यान लगाएं

खुश और शांत रहने के लिए मेडिटेशन से अधिक कोई भी अन्य तरीका काम नहीं करेगा। आंखें बंदकर अपना पूरा ध्यान सांस पर केन्द्रित करें। कल्पना कीजिए कि आप अपने शरीर-रूपी मंदिर में प्रवेश कर रहे हैं। शांति की भावना को महसूस करें। प्रारंभ में इस विधि को पांच मिनट तक करें और अभ्यास होने के साथ ही समय बढ़ाती जाएं। मेडिटेशन के लिए ऐसी जगह चुनें, जहां कोई आपको बाधा न पहुंचाए।

माफ करें और भूलना सीखें

सकारात्मक सोच और दूसरों को माफ करने के जज्बे पर भरोसा रखें। क्रोध, ईर्ष्या और जलन जैसे नकारात्मक विचारों से स्वयं को मुक्त रखें, क्योंकि ऐसे विचार हमारे सुख व शांति के अहसास को छीन लेते हैं। दूसरे को माफ करना खुशियां पाने का सशक्त माध्यम है।

न दें अनुचित सुविधाएं

अक्सर लाड़-प्यार के चलते, कई माता-पिता अपने कम उम्र के बच्चों का ड्राइविंग लाइसेंस बनवा देते हैं और कई बार अपनी गन-रिवॉल्वर उनकी पहुंच के अन्दर रखते हैं। इस असावधानी के कारण आए दिन अनेक दुर्घटनाएं घटती हैं और हादसे के शिकार व्यक्तियों का स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाता है।

- जब हम स्वयं के साथ शान्ति अनुभव नहीं करते तो हम मानसिक एवम् भावात्मक व्याधियों से ग्रस्त हो जाते है। आक्रामक एवं हिंसात्मक विचार हमारी सोच को नकारात्मक बना देते हैं तथा हमारा हृदय क्रोध, द्वेष और ईर्ष्या से भर उठता है।
- टेलीविजन तथा अन्य संस्थाओं द्वारा बच्चों - वयस्कों के लिए आयोजित रियलिटी शो एवम् अनेक प्रकार की प्रतिस्पर्धाएं अधिकांश प्रतियोगियों की मानसिकता को गलत तरीके से प्रभावित करती हैं।

हम और हमारा स्वास्थ्य

आज वक्त की मांग है कि हम अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखते हुए स्वयं को स्वस्थ रखें।

- स्वस्थ शरीर, स्वस्थ विचार एवं स्वस्थ बुद्धि का मूर्त रूप ही आरोग्य है। दरअसल, आरोग्य वह अवस्था है, जिसमें हम प्रकृति एवं वातावरण से सामंजस्य स्थापित करते हुए जीवन का आनंद लेते हैं।
- हम वास्तविक रूप से तभी स्वस्थ होते हैं ,जब हम स्वयं को मानसिक, भौतिक, भावात्मक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक स्तर पर स्वस्थ अनुभव करते हैं।

जीवनशैली बदलाव कर इलाज का खर्चा बचाएं

अपनी वर्तमान जीवनशैली में उचित बदलाव लाकर हम अपनी दवाइयों का खर्चा कम कर सकते हैं। केवल उचित खान-पान ही नहीं, वरन उचित विचार एवं उचित आचरण द्वारा ही हम निरोग हो सकते हैं।

- माता-पिता और अभिभावकों को बच्चों को सही आहार और साफ-सफाई से रहने के साथ-साथ एक अच्छा इंसान बनने की भी शिक्षा देनी चाहिए।
- वसायुक्त एवं रेशाहीन आहार तथा शारीरिक श्रम का अभाव डायबिटीस, उच्च रक्तचाप एवं हृदय रोग जैसी बीमारियों के प्रमुख कारण हैं। आज के दौर के पढ़े लिखे माता-पिता भी अपने नन्हे -मुन्नों को पिज्जा और बर्गर खिलाने तथा कोकाकोला आफर करने से गुरेज नहीं करते हैं। इस प्रकार उनका स्वाद फास्ट फूड के लिए विकसित होकर, घर के पौष्टिक खाने को नकारने लगता है।
- अब तो गावों में भी कोकाकोला, चिप्स और ब्रेड का खूब प्रचलन हो गया है। आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम जान बूझ कर रोगों के जाल में फंसते चले जा रहे हैं।

स्वस्थ मां की स्वस्थ संतान

किसी भी देश का स्वास्थ्य उसके बच्चों के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है और केवल स्वस्थ मां ही एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकती है, परन्तु यह हमारा दुर्भाग्य है कि अधिकांश भारतीय परिवारों में महिलाओं के स्वास्थ्य को वरीयता नहीं दी जाती है।

- पत्नी एवं माता की परम्परागत भूमिका में स्त्री का कर्तव्य परिवार के अन्य सदस्यों की देखभाल करना है, न कि स्वयं अपना भारतीय समाज आज के युग में भी लिंग के आधार पर भूमिकाएं निर्धारित करने में विश्वास रखता है।
- लड़कों को अविचारी और उग्रवादी बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तथा लड़कियों को शर्मीला और सहनशील बनाने का प्रयास होता है। आगे चल कर यही असमानता अपने रंग दिखाना शुरू कर देती है।
- महिलाओं को जीवन पर्यंत भिन्न प्रकार के तिरस्कारों का सामना करना पड़ता है। फिर चाहे वो लिंग आधारित भ्रूण हत्या हो या दहेज न लाने के नाम पर जलाया जाना हो अथवा बलात्कार का शिकार होना हो। जो देश महिलाओं का सम्मान करना नहीं जानता, वह वास्तव में एक रोगी देश है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) मानव स्वास्थ्य पर शहरीकरण के प्रभावों को विशिष्ट रूप से दर्शाते हुए शहरों को एक बेहतर रहने लायक जगह बनाने पर जोर देता है।

बनें जिम्मेदार नागरिक

जिम्मेदार नागरिकों की हैसियत से हमें अपने रहने के स्थानों में उपवन संस्कृति को फिर से वापस लाना होगा, ताकि खुली हवा में सांस लेते हुए, हम शारीरिक व्यायाम के लाभ उठा सकें। स्कूल, कॉलेजों में खेलकूद और योगाभ्यास को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। मोटर बाइक और कार के स्थान पर युवक -युवतियों में साइकिल चलाना एक आधुनिक फैशन के रूप में विकसित करना होगा।

स्वास्थ्य का रखें ख्याल

- रुपयों की इस अंधी दौड़ में भाग कर हम अपने मानसिक एवम् शारीरिक स्वास्थ्य का सत्यानाश कर रहे हैं। अपनी प्रतिभा का विकास करना अच्छी बात है, परन्तु केवल पैसे कमाने के उद्देश्य से नहीं, हम केवल निर्मल आनंद के लिए अपनी नृत्य, गायन, खेलकूद की रुचियों को विकसित क्यों नहीं करते? आधुनिक युग की चूहा दौड़ हमें एक स्वस्थ इंसान से एक बीमार पशु बना रही है।
- हाल ही में सिंगापुर में हुए एक स्वास्थ्य सेवा सम्मलेन में विशेषज्ञों ने माना कि एशिया की स्वास्थ्य सेवाएं आधुनिक जीवनशैली की व्याधियों के बोझ तले दबी जा रही हैं।
- स्वाइन-बर्ड फ्लू और तपेदिक जैसे संक्रामक रोगों के साथ -साथ आर्थिक सम्पन्नता से जुड़ी हुई असंक्रामक

बीमारियों का भार दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है।

- तम्बाकू एवम् धूम्रपान का व्यसन भी भारत समेत अन्य देशों में लाखों लोगों की सेहत पर सवालिया निशान लगा रहा है।
- सिगरेट एवं गुटखा निर्माताओं की आक्रामक विज्ञापन तकनीक के आगे, सारे तम्बाकू विरोधी अभियान असफल सिद्ध होते प्रतीत हो रहे हैं। ये कम्पनियां मर्दानगी, आधुनिकता और तनाव-मुक्ति के नाम पर जनता को विष बेच रही हैं और इनके विरुद्ध कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही है।
- तम्बाकू सेवन का सीधा सम्बन्ध श्वास एवं फेफड़े की बीमारियों से है। जैसे कि अस्थमा, तपेदिक आदि। क्या ही अच्छा होता यदि हम तम्बाकूयुक्त पानमसाला चबाने के स्थान पर लौंग, इलाइची या सौंफ जैसी गुणकारी वस्तुओं का सेवन करने की बुद्धि रखते।

टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा

समाज में ऐसे सुधार लाने की आवश्यकता है, जिनके द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं न केवल टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा दें, वरन जन मानस को संतुलित आहार, स्वस्थ जीवन शैली और नैतिक मूल्यों की भी शिक्षा भी प्रदान करें। यदि हमारे मन में शान्ति, प्रेम, अहिंसा के भाव होंगे तथा हम अमीरी के भड़कीले दिखावे से दूर रहेंगे, तो वास्तव में हमारा जीवन रोगमुक्त हो सकेगा। स्वस्थ रहने के लिए प्रसन्न रहना आवश्यक है और प्रसन्नता तभी मिलेगी, जब हम द्वेष के स्थान पर आनंद बांटे, तभी गांव-गांव और शहर- शहर में एक स्वस्थ और खुशहाल वातावरण बन पाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश तरक्की करता हैं... तब कांग्रेस पार्टी को दुख होता : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पार्टी पर कटाक्ष कर कहा कि उनके पास कांग्रेस के लिए कोई इलाज नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी देश आगे बढ़ता है, तब कांग्रेस पार्टी और उसके कुछ नेता दुख में डूब जाते है। भाजपा सांसद ने बीते 11 वर्षों में भारत के विकास पर कहा कि भारत का निर्यात 50 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 800 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बीते 11 साल में इतना काम हुआ है कि योजनाओं के नाम गिनना मुश्किल है। हम सभी पहलुओं में पूर्ण आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं और निर्यात भी तेजी से बढ़ा है और 800 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। जब मैं नया मंत्री था, तब हम करीब हर चीज का आयात कर रहे थे। हमारा निर्यात 50 अरब डॉलर भी नहीं था। अगर कांग्रेस दुखी होती है जब देश आगे बढ़ रहा है, लेकिन देश की जनता खुश है, तब मेरे पास उनके लिए कोई इलाज नहीं है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि लोक संवर्धन पर्व एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि गांवों में जो कौशल है उनके उत्पादों को बाजार में लाने, उन्हें एक मंच देने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। इससे विभिन्न राज्यों के उत्पादों को एक दूसरे तक पहुंचाने में भी मदद मिलेगी।

सुवेंदु अधिकारी की ममता सरकार से मांग, पीड़ितों से मिलने दिया जाए

कोलकाता (एजेंसी)। विवादित भूमि को लेकर दो समूहों के बीच हिंसक झड़प के बाद दक्षिण 24 परगना के रवींद्रनगर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कथित तौर पर महेशतला (मेटियाब्रुज विधानसभा क्षेत्र के तहत) के वार्ड नंबर 7 में अतिक्रमित भूमि पर दुकानें बनाने से शुरू हुआ विवाद तेजी से बढ़ गया। इस दौरान पत्थर और ईंटें फेंकी गईं और एक बाइक को आग के हवाले कर दिया गया। दक्षिण 24 परगना में उपद्रवियों और पुलिस के बीच झड़प पर एलओपी और भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि हाईकोर्ट ने पहले के आदेश में खास तौर पर कहा था कि जहां भी सांप्रदायिक हिंसा होगी, लोगों को लूटा जाएगा, पुलिस को कार्रवाई करने से रोका जाएगा और वे घायल होते हैं, तब याचिकाकर्ता डीजीपी को मेल भेजेगा और इसके तहत मैंने कल ऐसा किया। मैंने डीजीपी से मिलने की कोशिश की लेकिन नहीं मिल सका। कुछ अधिकारियों ने मुझे बताया है कि उन्होंने (डीजीपी) ममता बनर्जी से बात की, और उन्होंने कहा कि उनसे (सुवेंदु अधिकारी से) मिलने की कोई जरूरत नहीं है। भाजपा नेता का दावा हैं कि उसी आदेश में यह भी लिखा है कि अगर पुलिस कार्रवाई नहीं करती है, तब कोर्ट केंद्रीय अर्धसैनिक बल को निर्देश देगा, यह आदेश 30 जुलाई तक वैध है। इसलिए हम इसी मांग को लेकर याचिका दायर कर रहे हैं। हमारे द्वारा इसके लिए दो स्थगन प्रस्ताव भी दिए हैं... मैंने डीजीपी और एसपी डायमंड हार्बर को पहले ही ईमेल भेज दिया है कि एलओपी और एक विधायक को पीड़ितों से मिलने की अनुमति दी जाए।

तीन नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, 19 लाख रुपये का था इनाम

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में 19 लाख रुपये के इनामी तीन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। पुलिस के अनुसार, यह घटनाक्रम सुकमा जिले में 16 नक्सलियों के आत्मसमर्पण करने के कुछ सप्ताह बाद हुआ है। इसमें छह नक्सलियों पर सामूहिक रूप से 25 लाख रुपये का इनाम था। इसमें से नौ नक्सली केरलापेंडा ग्राम पंचायत के थे। अधिकारियों ने बताया कि पूर्व बस्तर डिवीजन में कंपनी नंबर छह में सक्रिय नक्सली भीमा उर्फ ढोलू उर्फ दिनेश पोड़ियाम (40) ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया। उन्होंने बताया कि उस पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित है। उन्होंने बताया कि इसके पहले जिले में दो महिला नक्सली सुकली कोर्राम उर्फ सपना और देवली मंडावी ने भी आत्मसमर्पण किया। अधिकारियों ने बताया कि सुकली पर आठ लाख तथा देवली पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित है। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने पर नक्सलियों को 50 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया है तथा उन्हें नक्सल उन्मूलन नीति के तहत मिलने वाली सुविधाएं दिलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले में इस वर्ष कुल 104 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है।

यूपी में हीटस्ट्रोक से 5 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी भीषण लू की चपेट में है। पिछले 24 घंटे में हीटस्ट्रोक से 5 लोगों की मौत हो चुकी है। कानपुर में गर्मी से 12 बगुलों की मौत हो गई। मोतीझील किनारे दीवारों पर बगुले मृत पाए गए।

इधर, उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने सीएम योगी को एक लेटर लिखा है, जिसमें उन्होंने स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों को आगे बढ़ाए जाने की मांग की है। 15 जून को प्राइमरी स्कूल खुलेंगे। अनिल ने कहा- इस समय गर्मी ज्यादा है, बच्चे बीमार हो सकते हैं।

ईरान और पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रमों पर अमेरिका की नजर, करेगा बड़ा खेला

नई दिल्ली(एजेंसी)। ईरान और पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रमों पर अमेरिका की चिंता एक जटिल जियो-पॉलिटिकल परिदृश्य का हिस्सा बनी हुई है, जो क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता को प्रभावित करता है। यह चिंता न केवल इन देशों की परमाणु क्षमताओं से, बल्कि इनके रणनीतिक संबंधों और क्षेत्रीय प्रभाव से भी जुड़ी है।

ईरान का परमाणु कार्यक्रम दशकों से अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंता का कारण है। 2015 में ईरान और अमेरिका ने संयुक्त व्यापक कार्य योजना पर हस्ताक्षर किए, इसके तहत ईरान ने अपने परमाणु गतिविधियों में कटौती करने और अंतरराष्ट्रीय निरीक्षण को स्वीकार करने का वादा किया था, बदले में ईरान को आर्थिक प्रतिबंधों से राहत मिली।

हालांकि, 2018 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने समझौते से बाहर निकलने का फैसला किया, जिससे तनाव बढ़ गया। हालिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि ईरान ने संयुक्त व्यापक कार्य योजना की सीमाओं का उल्लंघन करते हुए अपने यूरेनियम के भंडार को बढ़ाया है, जो 2015 की सीमा से 22 गुना ज्यादा है।

अक्टूबर 2023 की आईएईए रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने अपने यूरेनियम संवृद्धि को बढ़ाया है, जिससे चिंताएं बढ़ी हैं कि वह परमाणु हथियार बनाने को तैयार है। अमेरिका को डर है कि एक परमाणु-सशस्त्र ईरान मध्य पूर्व में अस्थिरता ला सकता है। उसके सहयोगियों जैसे इज़राइल और सऊदी अरब को खतरा पैदा कर सकता है।

इसके लिए अमेरिका ने ईरान के साथ बातचीत करने की इच्छा जाहिर की है, खासकर अगर वार्ता ईरान के परमाणु कार्यक्रम के सैन्यीकरण को लेकर चिंताओं को संबोधित करती है। हालांकि, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनी ने कहा है कि वे अमेरिका के धमकी के तहत बातचीत नहीं करने वाले हैं, जिससे स्थिति और जटिल हो गई है। वहीं पाकिस्तान पहले से ही परमाणु हथियारों से लैस है। इसका परमाणु कार्यक्रम अमेरिका के लिए चिंता का विषय रहा है। खासकर भारत के साथ क्षेत्रीय तनाव के बाद में। हाल ही में, भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाइयों ने परमाणु संघर्ष के जोखिम को उजागर किया है, जिससे अमेरिका को मध्यस्थता करनी पड़ी।

मई 2025 में दोनों देशों ने एक-दूसरे के ठिकानों पर हमले किए, जिससे गंभीर चिंताएं पैदा हुईं। अमेरिका को पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की सुरक्षा को लेकर चिंता है। पाकिस्तान का चीन के साथ परमाणु सहयोग भी एक बड़ा मुद्दा है, क्योंकि चीन ने पाकिस्तान की परमाणु क्षमताओं को मजबूत करने में मदद की है। पाकिस्तान का ड्रैगन के साथ सहयोग दक्षिण एशिया में चीन के प्रभाव को बढ़ा सकता है, जो अमेरिका के रणनीतिक हितों के लिए ठीक नहीं। पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम की शुरुआत 1979 में हुई थी, जब अमेरिका ने पता लगाया कि पाकिस्तान गुप्त रूप से यूरेनियम संवृद्धि कर रहा है। पाकिस्तान ने 1998 में परमाणु परीक्षण किए। अब उसके पास लगभग 165 परमाणु वारहेड्स हैं, जो भारत और क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को प्रभावित करते हैं।

अमेरिकी चिंता का एक बड़ा हिस्सा यह है कि ईरान और पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता को खतरे में डाल सकते हैं। एक परमाणु-सशस्त्र ईरान मध्य पूर्व में शक्ति संतुलन के लिए खतरा है, जबकि पाकिस्तान के मामले में, भारत के साथ तनाव और चीन के साथ सहयोग एक जटिल रणनीति पैदा करते हैं।

शेख हसीना का बड़ा दावा, अमेरिका को सेंट मार्टिन द्वीप और बंगाल की खाड़ी सौंप देती...तब सत्ता में होती

नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अंतरिम सरकार प्रमुख मोहम्मद यूनुस पर गंभीर आरोप लगा दिए हैं। उन्होंने कहा कि यूनुस को आतंकियों का समर्थन कर देश की संप्रभुता को खतरे में डाल रहे हैं। हसीना की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यूनुस के शासन में देश में अपराध और हिंसा बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि अब महिलाएं शहरों में सुरक्षित महसूस नहीं करतीं और त्यौहारों पर लोग गांव जाने से डरते हैं, क्योंकि आतंकियों का डर बना रहता है। शेख हसीना ने यह भी दावा किया कि यूनुस 2026 में चुनाव कराने की बात कहकर बांग्लादेश की जनता के साथ अप्रैल फूल बना रहे हैं। हसीना ने कहा कि यूनुस संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के एक पुराने सुझाव को लेकर रोहिंग्या कॉरिडोर बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए बांग्लादेश का सेंट मार्टिन द्वीप बेचा जा सकता है और समुद्र तक देश की पहुंच खतरे में पड़ सकती है। हसीना ने चेतावनी दी कि यह कॉरिडोर देश की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है और विदेशी ताकतें इसका फायदा उठा सकती हैं। सेना प्रमुख ने भी खूनी कॉरिडोर बताकर कहा था कि इस पर कोई फैसला केवल चुनी हुई सरकार ही ले सकती है। हसीना ने दावा किया कि अगर वह अमेरिका को सेंट मार्टिन द्वीप और बंगाल की खाड़ी सौंप देतीं, तब आज भी सत्ता में होतीं। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया, क्योंकि वह देश की संप्रभुता से समझौता नहीं कर सकतीं।

कर्नाटक~कैबिनेट ने नए सिरे से जाति सर्वेक्षण कराने का किया फैसला, 90 दिनों में होगा पूरा

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में गुरुवार को हुई विशेष कैबिनेट बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व की इच्छा के अनुसार राज्य भर में एक नया सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण करने और इसे 90 दिनों में पूरा करने का निर्णय लिया गया। कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के कानून के अनुसार इस तरह के सर्वेक्षण के निष्कर्ष केवल 10 साल के लिए वैध हैं। कर्नाटक का सर्वेक्षण केंद्र की जाति जनगणना से किस तरह अलग होगा, इस सवाल पर सीएम ने कहा कि केंद्र ने यह नहीं कहा है कि वह सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण करेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अपने चुनावी घोषणापत्र में पार्टी द्वारा किए गए वादे के अनुसार सामाजिक न्याय देने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार पूर्व महाधिवक्ता मधुसूदन नाइक की अध्यक्षता वाले कर्नाटक राज्य स्थायी पिछड़ा वर्ग आयोग से 90 दिनों में सर्वेक्षण रिपोर्ट देने को कहेगी। उन्होंने कहा कि

तेलंगाना ने यह काम 70 दिनों में पूरा कर लिया। गुरुवार को मंत्रिमंडल की बैठक हुई, जब एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सिद्धारमैया से जातियों की फिर से गणना करने को कहा। यह कर्नाटक के प्रमुख समुदायों की शिकायतों का जवाब था कि सर्वेक्षण के लिए एकत्र किए गए डेटा में जाति की फिर से गणना की गई है। इससे पहले सिद्धारमैया ने बुधवार को कहा कि जाति जनगणना के आंकड़ों को फिर से दर्ज करने का फैसला पार्टी हाईकमान ने लिया है और यह राज्य सरकार का फैसला नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि जाति जनगणना को लेकर कुछ शिकायतें मिली हैं।

2030 तक देश के बड़े शहरों में बढ़ेगी गर्मी और बारिश मचाएगी तबाही

– अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट में दावा, जलवायु परिवर्तन से बिगड़ रहे हालात

नई दिल्ली(एजेंसी)। 2030 तक देश के कई बड़े शहरों में गर्मी और बारिश का कहर और बढ़ जाएगा। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली समेत मुंबई, चेन्नई, सूरत, ठाणे, हैदराबाद, पटना और भुवनेश्वर में अगले कुछ सालों में भीषण हीटवेव का खतरा दोगुना हो जाएगा यानी अब गर्मी केवल मई-जून तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि मानसून के दौरान भी लोगों को गर्मी झेलनी पड़ सकती है।

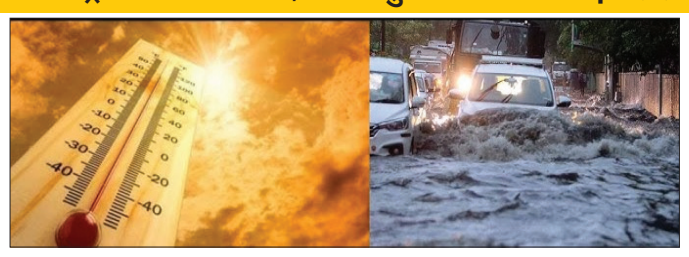

अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट 'तूफान का सामना करना, गर्म होते जलवायु में मानसून का प्रबंधन नाम से आई है, जिसे दो समूह ने मिलकर जारी की है। रिपोर्ट को जलवायु विशेषज्ञों ने तैयार किया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि लंबे समय तक चलने वाली गर्म हवाओं के कारण न सिर्फ लू का खतरा बढ़ेगा, बल्कि बारिश भी अनियमित हो जाएगी। भारत के करीब 80 फीसदी जिलों में 2030 तक मानसून के दौरान भारी बारिश और हीटवेव दोनों एक साथ देखने को मिल सकते हैं। दिल्ली में तो इस साल मई-जून में कई बार लू चली है।

रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले दिनों में मानसून के मौसम में भी तापमान सामान्य से ज्यादा हो सकता है। ऐसे में लोगों को गर्मी और भारी बारिश की दोहरी मार झेलनी पड़ेगी। रिपोर्ट के मुताबिक अब ये हालात केवल गर्मियों तक सीमित नहीं रहेंगे। मानसून के दौरान भी तापमान में खतरनाक बढ़ोतरी हो रही है। इससे लगातार तेज गर्मी और मूसलाधार बारिश का मेल तैयार हो रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक 2030 तक देशभर में हीटवेव के दिनों में 2.5 गुना तक बढ़ोतरी हो सकती है। इसके अलावा अत्यधिक बारिश की घटनाओं में 43 फीसदी तक इजाफा हो सकता है यानी एक तरफ तेज गर्मी तो दूसरी ओर अचानक तेज बारिश। दोनों ही हालात जलवायु परिवर्तन की वजह से बिगड़ते जा रहे हैं। विश्लेषण में ये भी बताया गया है कि पिछले 30 सालों में मार्च से सितंबर तक हीटवेव वाले दिनों में 15 गुना तक बढ़ोतरी हुई। सिर्फ पिछले 10 सालों में ही ऐसी घटनाएं 19 गुना बढ़ी हैं। इससे साफ होता है कि अब हालात तेजी से बदल रहे हैं और हमें इन खतरों से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए।

दिल्ली समेत देश के 72 फीसदी टियर-1 और टियर-2 शहरों में गर्मी और बारिश के इन खतरों के साथ-साथ तूफान, बिजली गिरने और ओलावृष्टि जैसी घटनाओं में भी बढ़ोतरी हो सकती है। खासकर महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात, यूपी, हिमाचल प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों में खतरा ज्यादा रहेगा। गुजरात, राजस्थान, यूपी, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के करीब 75 फीसदी जिलों को अगले पांच साल में लगातार गर्मी और अनियमित बारिश का सामना करना पड़ सकता है। ये सभी इलाके अब जलवायु परिवर्तन के सबसे संवेदनशील हॉटस्पॉट बनते जा रहे हैं।

रिपोर्ट में आगे ये सुझाव भी दिया गया कि देश में जलवायु जोखिम को समझने के लिए एक 'क्लाइमेट रिस्क ऑब्जर्वेटरी' यानी जलवायु जोखिम वेधशाला बनाई जानी चाहिए। इससे हर इलाके का बारीकी से आकलन किया जा सकेगा और समय रहते अलर्ट जारी किए जा सकेंगे साथ ही सरकार को ऐसे आर्थिक उपाय भी करने होंगे जिससे आम लोगों पर पड़ने वाले आर्थिक असर को संभाला जा सके।

अमेरिका ने भारत को दिए तीन कूटनीतिक झटके... लेकिन फिर भी मोदी चुप

कांग्रेस ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर विपक्षी सांसदों से मिलने की मांग की

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि एक ही दिन में भारत की कूटनीति को अमेरिका से तीन बड़े झटके लगे हैं। इससे भारतीय विदेश नीति और भारत-अमेरिका संबंधों पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

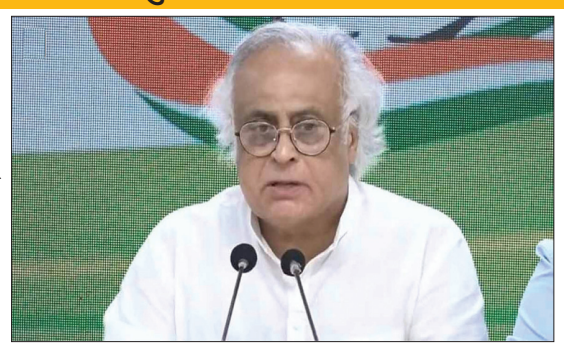

कांग्रेस नेता जयराम ने कहा कि अमेरिका की सेंट्रल कमांड चीफ जनरल माइकल कुरिल्ला ने पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ साझेदार बताया। पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर को अमेरिकी आर्मी डे के लिए न्यौता दिया है। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने फिर से कहा कि भारत-पाक तनाव ट्रंप ने खत्म कराया। कांग्रेस नेता ने कहा कि ये हमारी कूटनीति के लिए बड़े झटके हैं। प्रधानमंत्री जो सर्वशक्तिमान और सर्वव्यापी हैं, उन्हें अब सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। उन्होंने विदेश यात्राओं पर गए सांसदों से मुलाकात की है, अब विपक्षी दलों के नेताओं से भी मिलना चाहिए। मोदी सरकार पर हमलावार कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि अमेरिका के सेंट्रल कमांड चीफ जनरल कुरिल्ला ने हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के सामने पाकिस्तान को एक शानदार साझेदार बताया। क्या यहीं पाकिस्तान है जहां ओसामा बिन लादेन 10 साल छिपा रहा और 2011 में मारा गया। वहीं पाकिस्तान अब अमेरिका के लिए आतंकवाद विरोधी साझेदार बन गया।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि अमेरिका ने पाकिस्तान आर्मी चीफ जनरल मुनीर को अमेरिका सेना की 250वीं वर्षगांठ पर आयोजित परेड में भाग लेने के लिए न्यौता भेजा है। यह वहीं मुनीर है, जो कि पहलगाम आतंकी हमले से ठीक पहले भड़काऊ और उकसावे बयान दिए थे। उनके बयानों से ही आतंकियों को बल मिला। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने फिर कहा कि भारत-पाक तनाव को कम करने में डोनाल्ड ट्रम्प और विदेश मंत्री मार्को रुबियो की भूमिका रही है।

फडणवीस और राज ठाकरे की गुपचुप मुलाकात... क्या उद्धव से बिगड़ गई बात

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में गुरुवार को एक बड़ा घटनाक्रम दिखाई दिया, जब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बीच मुंबई के पांच सितारा होटल में बंद कमरे में बैठक हुई। यह मुलाकात करीब एक घंटे चली और बैठक को किसी भी पक्ष ने पहले से कोई जानकारी नहीं दी थी। यह मुलाकात तब हुई है जब शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) लगातार एमएनएस के साथ गठबंधन की संभावनाओं को हवा दे रही थी और 'मराठी मानूस' की एकजुटता की अपील हो रही थी। वहीं, एमएनएस की चुप्पी और अब भाजपा नेताओं से मुलाकात इस बात का संकेत देती है कि राज ठाकरे उद्धव ठाकरे की बजाय भाजपा और शिंदे गुट के साथ जुड़ने का मन बना रहे हैं।

बता दें कि 14 जून को राज ठाकरे और 13 जून को आदित्य ठाकरे का जन्मदिन है। शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ता इन तारीखों को प्रतीकात्मक एकता दिवस के रूप में पेश कर रहे थे, लेकिन यह अचानक बैठक उनके मंसूबों पर पानी फेर सकती है।

पिछले कुछ महीनों से उद्धव ठाकरे, उनके बेटे आदित्य और संजय राऊत सहित शिवसेना (यूबीटी) के नेता लगातार राज ठाकरे से सार्वजनिक अपील कर रहे थे। पुराने पारिवारिक फोटो, सोशल मीडिया पोस्ट और सामना में प्रकाशित भावनात्मक लेखों के माध्यम से मराठी अस्मिता की एकता का संदेश दिया जा रहा था। लेकिन एमएनएस की ओर से इस पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं आई।

वहीं राज ठाकरे को भाजपा के अलावा शिवसेना (शिंदे गुट) की ओर से भी गठबंधन का प्रस्ताव मिला है। संजय शिरसाट, मंत्री और शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता ने कहा, ÷हमने पहले भी विधानसभा चुनाव के समय गठबंधन की पेशकश की थी। आज भी हम राज साहेब को साथ आने का निमंत्रण देते हैं।÷

यूएन की रिपोर्ट: भारत में घट रही प्रजनन दर, भविष्य के लिए चुनौती

–बढ़ती बुजुर्ग आबादी और घटती युवा शक्ति के लिए ठोस नीति जरुरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की जनसंख्या में बड़ा और निर्णायक बदलाव आया है। संयुक्त राष्ट्र की ताज़ा रिपोर्ट 2025 के मुताबिक देश की कुल प्रजनन दर अब 'प्रत्यास्थापन स्तर' यानी रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे चली गई है। इसका मतलब है कि अब जितने लोगों की देश में मौत हो रही हैं, उतने नए जन्म नहीं ले हो रहे। 2025 के अंत तक भारत की जनसंख्या के 1.46 अरब तक पहुंचने का अनुमान है, लेकिन चिंता की बात यह है कि कुल प्रजनन दर घटकर 1.9 रह गई है, जबकि स्थिर जनसंख्या बनाए रखने के लिए यह दर कम से कम 2.1 होनी चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) ने इसे एक 'वास्तविक प्रजनन संकट' करार दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में लाखों लोग ऐसे हैं जो अपने इच्छित परिवार आकार तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। कुछ लोगों को संतान प्राप्ति नहीं हुई है, तो कुछ सामाजिक, आर्थिक या स्वास्थ्य कारणों से बच्चे पैदा करने का फैसला टाल रहे हैं। गर्भनिरोधक साधनों की सीमित पहुंच, करियर व शिक्षा की प्राथमिकता, बदलती जीवनशैली और सामाजिक धारणाएं इस बदलाव के मुख्य कारण माने जा रहे हैं।

भारत में हालांकि अभी युवा जनसंख्या का बड़ा हिस्सा मौजूद है।

रिपोर्ट के मुताबिक देश की जनसंख्या में 0 से 14 साल के लोग 24फीसदी, 10 से 19 वर्ष के 17 फीसदी, 10 से 24 वर्ष के 26फीसदी और 15 से 64 वर्ष के लोग 68फीसदी हैं। इसका अर्थ है कि भारत फिलहाल एक बड़े 'जनसांख्यिकीय लाभांश' की स्थिति में है। यदि सरकार इस युवा शक्ति को सही दिशा दे सके, तो देश अगले कुछ दशकों में वैश्विक आर्थिक शक्ति बन सकता है।

यूएन रिपोर्ट यह बताती है कि भारत अब मध्यम आय वाले उन देशों की श्रेणी में आता है, जहां जनसंख्या दोगुनी होने में करीब 79 साल लगेंगे। यह एक अहम बदलाव है, क्योंकि पहले यह समय कहीं कम था। यूएनएफपीए की भारत में प्रतिनिधि के मुताबिक भारत ने बीते 50 सालों में प्रजनन दर कम करने के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। 1970 में जहां एक महिला औसतन 5 बच्चों को जन्म देती थी, अब यह संख्या करीब 2 हो चुकी है, जो शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में हुए सुधार का परिणाम है।

विशेषज्ञ यह भी चेतावनी दे रहे हैं कि यदि यह गिरावट इसी तरह जारी रही तो आने वाले सालों में भारत को तेजी से बढ़ती बुजुर्ग आबादी और घटती युवा शक्ति के लिए ठोस नीतियां बनानी होंगी। यह बदलाव भविष्य की सामाजिक संरचना और आर्थिक उत्पादकता दोनों पर गहरा प्रभाव डाल सकता है।

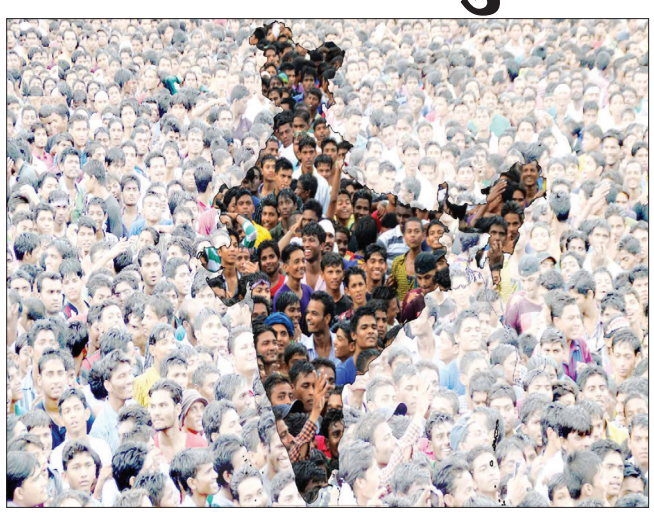

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ग्रीस की संसद से तीन कट्टरपंथी सांसद निष्कासित, अपराधी नेता से जुड़े होने का आरोप

एथेंस, एजेंसी। ग्रीस में संसद ने मंगलवार को तीन कट्टरपंथी सांसदों को संसद से बाहर कर दिया। इन पर आरोप है कि इन्होंने ऐसे नेता के साथ संबंध बनाए रखे, जिसे एक आपराधिक संगठन का नेतृत्व करने के आरोप में पहले ही जेल की सजा हो चुकी है। कोर्ट ने पाया कि स्पार्टन्स पार्टी के नेता वासिलिस स्टिगास और दो अन्य सांसदों ने 2023 के आम चुनाव में मतदाताओं को गुमराह किया। इन तीनों को उस व्यक्ति का प्रॉक्सी माना गया, जो पहले गोल्डन डॉन नामक एक नव-नाज़ी विचारधारा वाली पार्टी से जुड़ा था और जिसे 2020 में 13 साल की जेल की सजा हुई थी। उस पर प्रवासियों और राजनीतिक विरोधियों पर हमले करवाने का आरोप था। ग्रीस की रूढ़िवादी सरकार ने इस फैसले का समर्थन किया है। अब संसद में कुल सीटें 300 से घटकर 297 रह जाएंगी। साथ ही, कानून पास कराने के लिए जरूरी बहुमत भी 151 से घटकर 149 हो गया है।

ईरान में आईएस के नौ आतंकियों को दी गई फांसी

तेहरान, एजेंसी। ईरान में इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह को नौ आतंकवादियों को फांसी पर चढ़ा दिया गया है। ईरान की न्यायपालिका की मिजान समाचार एजेंसी ने मंगलवार को इस बात की पुष्टि की है। ईरान का कहना है कि उसने 2018 के हमले के बाद हिरासत में लिए गए आईएस के नौ आतंकियों को फांसी दे दी है। आतंकवादियों को ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के साथ झड़प में पकड़ा गया था।

केन्या में 28 भारतीय पर्यटकों से भरी बस खाई में गिरी, पांच की गई जान

नैरोबी, एजेंसी। कतर में घूमने गए 28 भारतीय पर्यटकों की बस केन्या में खाई में गिर गई। हादसे में पांच भारतीयों की मौत हो गई। ये सभी कतर में रहते थे और यहां छुट्टियां मनाने आए थे। हादसा न्यांदारुआ काउंटी में ओल जोरोरोक-नाकुरू रोड पर हुआ। हादसे में घायलों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सभी दक्षिण भारतीय थे और कतर में रह रहे थे। दोहा स्थित भारतीय दूतावास ने मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण हादसे के बाद नैरोबी स्थित भारतीय उच्चायोग के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। कतर स्थित भारतीय मिशन ने बताया कि वह दोहा में भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय समुदाय कल्याण फोरम व अन्य समुदाय समूहों के संपर्क में है।

पुलिस स्टेशनों के बाहर हुए बम विस्फोट में चार लोगों की मौत

बोगोटा, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिमी कोलंबिया में विद्रोही समूहों द्वारा कैली शहर और पड़ोसी काउका प्रांत में पुलिस स्टेशनों के बाहर हुए कई बम विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई। सैन्य और पुलिस प्रवक्ता ने इन हमलों के लिए स्त्रक्ष्ट-श्वस्ष्ट को दोषी ठहराया है। अधिकारियों ने बताया कि विद्रोहियों ने पुलिस स्टेशनों के पास खड़ी कारों और मोटरसाइकिलों में बम रखे थे। बता दें कि पुलिस स्टेशनों पर हमले से कुछ दिन पहले ही राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार मिगुएल उरीबे को बोगोटा में एक रैली के दौरान गोली मारी गई थी।

थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री और सैन्य कमांडर सुचिंदा क्रापरायून का निधन

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री और सेना प्रमुख रहे सुचिंदा क्रापरायून का मंगलवार को 91 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनकी मौत की जानकारी थाईलैंड की सरकारी समाचार एजेंसी ने दी। बता दें कि सुचिंदा 1992 में थाईलैंड के प्रधानमंत्री बने थे, लेकिन उनका कार्यकाल महज सात हफ्तों का ही रहा। वे एक सैन्य तख्तापलट के बाद सत्ता में आए और उनके प्रधानमंत्री बनने को गैर-लोकतांत्रिक बताया गया, जिससे देशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए।

भ्रष्टाचार मामले में अर्जेंटीना की पूर्व राष्ट्रपति क्रिस्टीना फर्नांडीज को 6 साल की सजा बरकरार

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना की सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को देश की पूर्व राष्ट्रपति क्रिस्टीना फर्नांडीज डी किर्शनेर को भ्रष्टाचार के मामले में सुनाई गई छह साल की जेल की सजा को बरकरार रखा है।क्रिस्टीना ने इस फैसले की समीक्षा की मांग की थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। इस फैसले के चलते अब वे सितंबर में राजधानी से होने वाले चुनाव में हिस्सा नहीं ले सकेंगी, जहां वे विधायिका की सीट के लिए उम्मीदवार बनना चाहती थीं।

इजराइल ने ग्रेटा समेत 4 कार्यकर्ताओं को रिहा किया : अब भी हिरासत में 8 लोग

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल ने स्वीडिश पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग समेत 4 लोगों को मंगलवार को रिहा कर दिया। ये सभी इजराइल के बेन गुरियन एयरपोर्ट से फ्रांस रवाना हो गए। हालांकि, अभी भी 8 लोग इजराइल की हिरासत में हैं। इनमें रीमा हसन समेत बाकी लोग शामिल हैं। इन सभी के नाम अभी तक सामने नहीं आए हैं। इजराइली सेना ने 9 जून को गाजा के लिए राहत सामग्री लेकर जा रहे मैडलीन जहाज पर छापा मारकर स्पेन, फ्रांस, स्वीडन और तुर्की के 12 कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया था। इजराइल ने इन सभी को ऑप्शन दिया था कि वे चाहें तो डिपोर्टेशन कागज (रिहाई के दस्तावेज) पर साइन करके घर लौट सकते हैं।

हिरासत में लिए गए दुनिया के सबसे बड़े टिकटॉक स्टार खाबी लेम, छोड़ना पड़ा अमेरिका

लास वेगास, एजेंसी। दुनिया के सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले टिकटॉक स्टार खाबी लेम ने अमेरिका छोड़ दिया है। उनको अमेरिका में इमिग्रेशन और कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) ने हिरासत में लिया था, जिसके बाद उन्होंने स्वेच्छा से देश छोड़ दिया। सेनेगल में जन्मे और इटली के नागरिक खाबी लेम का असली नाम सेरिंगे खाबाने लामे है। उनको 6 जून को लास वेगास के हैरी रीड इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हिरासत में लिया गया था। आईसीई के प्रवक्ता के अनुसार, लामे ने अपने वीजा की शर्तों का उल्लंघन किया था, क्योंकि वे 30 अप्रैल को अमेरिका आए थे और निर्धारित समय से अधिक रुके थे।

क्या हुआ था : आईसीई के एक प्रवक्ता ने बयान में बताया, यूएस इमिग्रेशन और कस्टम्स एनफोर्समेंट ने 6 जून को 25 वर्षीय इटली के नागरिक सेरिंगे खाबाने लामे को लास वेगास, नेवाडा के हैरी रीड इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन उल्लंघन के लिए हिरासत में लिया। लामे 30 अप्रैल को अमेरिका आए थे और अपने वीजा की अवधि से अधिक समय तक रुके। लामे को उसी दिन स्वैच्छिक प्रस्थान की अनुमति दी गई, जिसके तहत उन्हें बिना औपचारिक निर्वासन आदेश के देश छोड़ने की इजाजत मिली। यह प्रक्रिया किसी व्यक्ति को निर्वासन के रिकॉर्ड से बचने और भविष्य में कानूनी रूप से अमेरिका लौटने की

संभावना बनाए रखने की अनुमति देती है।

खाबी लेम कौन हैं : खाबी लेम के टिकटॉक पर 162 मिलियन (16.2 करोड़) से अधिक फॉलोअर्स हैं। वह दुनिया के सबसे लोकप्रिय टिकटॉक स्टार हैं। वे अपने मजेदार और बिना शब्दों वाले वीडियो के लिए जाने जाते हैं, जिनमें वे जटिल लाइफ हैक वीडियो का मजाक उड़ाते हैं और अपनी सिग्नेचर बॉडी लैंग्वेज और चेहरे के हाव-भाव से दर्शकों का मनोरंजन करते हैं। सेनेगल में 9 मार्च 2000 को जन्मे खाबी लेम एक साल की उम्र में अपने परिवार के साथ इटली के चिवासो चले गए थे। 2022 में उन्हें इटली की नागरिकता मिली। लेम ने कोविड-19 महामारी के दौरान टिकटॉक पर वीडियो बनाना शुरू किया, जब मार्च 2020 में उनकी फैक्ट्री की नौकरी छूट गई थी। उनके वीडियो, जो बिना संवाद के हास्य और व्यंग्य से भरे होते हैं, उन्होंने जल्द ही वैश्विक लोकप्रियता हासिल की। जून 2022 में उन्होंने चार्ली डी'अमेलियो को पछाड़कर टिकटॉक पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले क्रिएटर का खिताब हासिल किया और तब से यह स्थान बरकरार रखा है।

सोशल मीडिया और ब्रांड्स के साथ सहयोग : लामे ने अपनी लोकप्रियता का लाभ उठाकर कई बड़े ब्रांड्स के साथ साझेदारी की है, जिनमें फॉर्च्यून, सोनी पिक्चर्स, वॉलमार्ट, गूगल, स्टेट फार्म और पेप्सी शामिल हैं। फोर्ब्स के अनुसार, 2022 से 2023 के बीच उन्होंने ब्रांड डील्स से लगभग 16.5 मिलियन डॉलर कमाए। इसके अलावा, वे 2022 में कान्स फिल्म फेस्टिवल में टिकटॉक शॉर्ट्स के जज, 2023 में इटालिया गॉट टैलेंट के जज रहे और 2024 में फिल्म बैड बॉयज : राइड ऑर डाई में कैमियो रोल में नजर आए।

आईसीई की कार्रवाई और ट्रंप की नीतियां : लेम की हिरासत उस समय हुई, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई सरकार ने आप्रवासन पर सख्ती बढ़ा दी है। ट्रंप ने अपने चुनावी वादे को पूरा करते हुए बड़े पैमाने पर निर्वासन अभियान शुरू किया है, जिसके तहत आईसीई ने पूरे अमेरिका में छापेमारी की है। लॉस एंजिल्स में हाल ही में हुई आईसीई की छापेमारी ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन को जन्म दिया, जहां प्रदर्शनकारियों ने हम नहीं जाएंगे और हम यहां विरोध करने आए हैं।

15 साल के किशोर ने मारी थी राष्ट्रपति उम्मीदवार को गोली, उरीबे पर हमला मामले में पुलिस का दावा

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया में बीते शनिवार को कंजर्वेटिव उम्मीदवार मिगुएल उरीबे टर्बे पर जानलेवा हमले मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। मामले में पुलिस ने 15 साल के एक किशोर पर उरीबे की हत्या की कोशिश का आरोप लगाया गया है। बता दें कि उरीबे को इस सप्ताहांत बोगोटा शहर के एक चुनावी रैली के दौरान सिर में गोली मारी गई थी। वे इस समय गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। अधिकारियों के अनुसार, हमले के बाद किशोर को बंदूक के साथ भागते हुए पकड़ा गया। हालांकि, अदालत में उसने खुद को निर्दोष बताया है। किशोर को भी गोली लगी थी और फिलहाल उसका इलाज चल रहा है। ठीक होने के बाद उसे किशोर सुधार गृह भेजा जाएगा। कोलंबिया के कानूनों के अनुसार, नाबालिग अपराधियों को अपेक्षाकृत कम सजा मिलती है। किशोर को अधिकतम 8 साल तक की हिरासत हो सकती है। शनिवार को हुई इस घटना के बाद देशभर में आक्रोश का माहौल है। जहां लोग इसे लोकतंत्र पर हमला बताते हुए अपनी नाराजगी जता रहें है। इतना ही नहीं कुछ लोगों ने इस घटना की तुलना कोलंबिया के हिंसक राजनीतिक अतीत से की जा रही है। देश ने 20वीं सदी के अंत में लुइस कार्लोस गैलन और कार्लोस पिजारो सहित कई हाई-प्रोफाइल राजनीतिक हस्तियों की हत्याओं को झेला है।

इस्राइली नौसेना ने पहली बार यमन में किया हमला, हूतियों की सप्लाई चेन काटने की कोशिश

तेल अवीव , एजेंसी। इस्राइली नौसेना ने पहली बार यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हमला किया। यह हमला यमन के पोत शहर होदेइदा में किया गया। इससे पहले मंगलवार की सुबह इस्राइली वायुसेना ने भी होदेइदा में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हवाई हमले किए थे। अब नौसेना द्वारा भी होदेइदा को निशाना बनाया गया। होदेइदा शहर पर हूतियों का कब्जा है और माना जाता है कि यमन में राशन और अन्य जरूरी सामान की सप्लाई के लिए होदेइदा काफी अहम है। आरोप है कि होदेइदा से ही हूतियों को हथियारों की सप्लाई होती है। ऐसे में इस्राइली नौसेना के हमले में हूतियों की सप्लाई चेन काटने की कोशिश की गई।

अमेरिका ने भी बीते दिनों किए थे यमन पर हमले : हमले में होदेइदा को काफी नुकसान हुआ है। होदेइदा से होने वाली हथियारों की कथित सप्लाई संयुक्त राष्ट्र की पकड़ में भी नहीं आ पा रही थी। मंगलवार सुबह को हूतियों ने भी एक बार फिर इस्राइल पर मिसाइल हमला किया था। हालांकि इस्राइल के एयर डिफेंस ने मिसाइल को हवा में ही तबाह कर दिया। इससे पहले अप्रैल में अमेरिका ने भी यमन के हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हवाई हमले किए थे, जिनमें 74 लोग मारे गए थे। अब इस्राइल द्वारा हूतियों पर हमले किए जा रहे हैं। इस्राइल ने हूतियों को चेतावनी भी दी है कि अगर वे आगे भी इस्राइल पर हमले जारी रखते हैं तो इस्राइल द्वारा फिर मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। इस्राइली रक्षा मंत्री ने यमन का हवाई और समुद्री तौर पर ब्लॉक करने की धमकी दी।

जारी रहेगा ट्रंप का टैरिफ, कोर्ट ने दी इजाजत; भारत समेत अन्य देशों पर लगाया था तगड़ा टैक्स

वाशिंगटन, एजेंसी। मंगलवार को अमेरिका की एक संघीय अपील अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के प्रभावी रहने की मंजूरी दे दी है। डोनाल्ड ट्रंप ने बीते 2 अप्रैल को भारत, चीन और यूरोपीय संघ सहित दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं पर व्यापक रूप से आयात शुल्क लगाने की घोषणा की थी। फिलहाल इन टैरिफ को जारी रखने की इजाजत दे दी गई है। इससे पहले निचली अदालत ने ट्रंप के इस फैसले पर रोक लगाते हुए कहा था कि ट्रंप ने इन्हें लागू करने के लिए अपनी शक्तियों का गलत इस्तेमाल किया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी अदालत के इस फैसले का मतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप अभी के लिए अधिकांश देशों से लिबरेशन डे पर लगाए गए टैक्स को जारी रख सकते हैं। कोर्ट इस बात की जांच कर रही है कि टैरिफ लगाने के लिए जिन आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम का हवाला ट्रंप ने दिया है, वह उचित है या नहीं। इससे पहले ट्रंप ने अपने ऐलान के बाद परस्पर शुल्क पर 90 दिनों की रोक लगाने की घोषणा की थी। कोर्ट का यह फैसला इस अवधि के खत्म होने से एक महीने पहले आया है। जानकारों के मुताबिक 9 जुलाई को अमेरिकी राष्ट्रपति कई देशों के लिए टैरिफ दरों में भारी बढ़ोतरी कर सकते हैं।

अमेरिका हिंसा- 12 राज्यों के 25 शहरों में प्रदर्शन : लॉस एंजिलिस में शाम 6 बजे के बाद कर्फ्यू

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिलिस में 5 दिनों से जारी प्रदर्शन के कारण शाम 6 बजे के बाद कर्फ्यू लगा दिया गया है। लॉस एंजिलिस की मेयर कैरन बैस ने इमरजेंसी की घोषणा की है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक अवैध अप्रवासियों को बाहर निकालने के फैसले के खिलाफ हो रहा प्रदर्शन अमेरिका के 12 राज्यों के 25 शहरों तक फैल चुका है। सैन फ्रांसिस्को, डलास, ऑस्टिन, टेक्सास और न्यूयॉर्क जैसे शहरों में भी प्रदर्शन हो रहे हैं। हालात पर काबू पाने के लिए ट्रम्प ने लॉस एंजिलिस में 4 हजार नेशनल गार्ड के अलावा 700 मरीन कमांडो को भी तैनात कर दिया है। उन्होंने कहा कि हालात खराब हो रहे हैं। जरूरत पड़ने पर वे पूरी ताकत से निपटेंगे। वहीं, सोमवार-मंगलवार को लॉस एंजिलिस पुलिस ने करीब 1100 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया।

ट्रम्प बोले- जरूरत पड़ने पर सैन्य बल का इस्तेमाल करूंगा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि अगर लॉस एंजिलिस में हिंसा जारी रही तो वे पूरे शहर में विद्रोह कानून लागू कर सकते हैं। यह कानून सरकार को हिंसा रोकने के लिए सैन्य बल का इस्तेमाल करने की इजाजत देता है। ट्रम्प ने कहा, पिछले 2 दिन से हालात बेहद बिगड़ रहे हैं, अगर बगावत

हुई तो मैं जरूर विद्रोह कानून लागू करूंगा। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ने 14 जून को वॉशिंगटन डीसी में होने वाली आर्मी परेड के दौरान प्रदर्शन को लेकर भी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर कोई प्रदर्शन करता है तो उसे सेना का सामना करना पड़ेगा। 14 जून को अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ और ट्रम्प का 79वां जन्मदिन भी है। इस हिंसा में अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है। यह हिंसक प्रदर्शन अवैध अप्रवासियों को बाहर निकालने के फैसले के खिलाफ हो रहे हैं। फिलहाल लॉस एंजिलिस में हिंसा थमती नजर आ रही है। ट्रम्प की पार्टी का आरोप- प्रदर्शनकारियों को डेमोक्रेट और चीन पैसे दे रहे ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी ने लॉस एंजिलिस में प्रदर्शनों को लेकर डेमोक्रेट नेताओं और चीन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रिपब्लिकन सांसद बिल एसेयली ने एक पोस्ट में लिखा- इन प्रदर्शनों की फंडिंग डेमोक्रेट समर्थित संगठनों और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़ी संस्थाओं द्वारा की जा रही है।

ट्रम्प ने नेतन्याहू से गाजा जंग खत्म करने को कहा : ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों पर हमले को मंजूरी नहीं

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मंगलवार को फोन पर बातचीत की। इस दौरान ट्रम्प ने नेतन्याहू से गाजा में जंग को खत्म करने के लिए कहा है। इजराइल के चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प ने कहा कि गाजा में सीजफायर और बंधकों की रिहाई तक ही बात नहीं रुकनी चाहिए, बल्कि जंग को पूरी तरह खत्म किया जाए। इसके अलावा ट्रम्प ने ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों पर हमला करने को लेकर भी फिलहाल मंजूरी नहीं दी है। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प ने यह भी कहा कि जंग रुकने से ईरान और सऊदी अरब के साथ चल रही बातचीत में मदद मिलेगी।

ईरान से परमाणु डील के लिए कोशिशें जारी : डोनाल्ड ट्रम्प ने नेतन्याहू से बातचीत में यह साफ किया कि अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु डील पर समझौते के लिए कोशिशें जारी हैं। हालांकि ट्रम्प ईरान के हालिया प्रस्ताव से सहमति नहीं है। उन्होंने कहा कि फिर भी

बातचीत के दरवाजे बंद नहीं हुए हैं। इसके जवाब में नेतन्याहू ने कहा कि ईरान पर हमेशा सैन्य दबाव बना रहना चाहिए। हालांकि ट्रम्प ने फिर भी ईरान पर सैन्य हमले को टालने पर जोर दिया। इस पर नेतन्याहू ने जवाब दिया कि ईरान पर हमेशा एक विश्वसनीय सैन्य दबाव बना रहना चाहिए। लेकिन ट्रम्प ने दोबारा दोहराया कि बातचीत के दौरान सैन्य हमले की संभावना को टाल देना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया कि ट्रम्प तब तक सैन्य कार्रवाई पर चर्चा नहीं करेंगे जब तक वे यह तय नहीं कर लेते कि कूटनीतिक प्रयास पूरी तरह विफल हो चुके हैं। ब्रिटेन-कनाडा समेत 5 देशों का इजराइल के दो मंत्रियों पर बैन ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूज़ीलैंड और नॉर्वे ने मंगलवार को इजराइल सरकार के दो कट्टर दक्षिणपंथी मंत्रियों इतामार बेन-गवीर और बेजालेल स्मोतरिच पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। इन पर कब्जे वाले वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों के खिलाफ हिंसा भड़काने का आरोप है। दोनों मंत्री गाजा जंग को जारी रखने के पुरजोर समर्थक हैं। अब इन पर यात्रा प्रतिबंध और संपत्ति जब्त होने जैसे कदम उठाए जा सकते हैं।

चौथी बार टला प्रक्षेपण, फाल्कन-9 रॉकेट में आई तकनीकी खराबी, नई तारीख का फिलहाल एलान नहीं

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य लोगों को आईएसएस लेकर जाने वाले अंतरिक्ष यान- एग्जियोम-4 का प्रक्षेपण फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। स्पेसएक्स ने यह एलान किया। स्पेसएक्स ने बताया कि पोस्ट स्टैटिक फायर बूस्टर के निरीक्षण के दौरान फाल्कन-9 रॉकेट में ऑक्सीजन लीक की समस्या पाई गई। जिसकी मरम्मत के लिए इंजीनियरों ने और समय मांगा है। ऐसे में प्रक्षेपण को फिलहाल टाल दिया गया है।

प्रक्षेपण की नई तारीख फिलहाल नहीं : स्पेसएक्स ने ट्वीट कर बताया कि अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना होने वाले फाल्कन 9 के एक्स-4 प्रक्षेपण को स्थगित किया जा रहा है। जिससे कि इंजीनियरों को पोस्ट स्टैटिक फायर बूस्टर के निरीक्षण के दौरान पहचाने गए एलओएक्स रिसाव की मरम्मत के लिए अतिरिक्त समय मिल सके। स्पेसएक्स ने कहा कि अब मरम्म होने के बाद हम जल्द ही एक नई लॉन्च तिथि जारी करेंगे।

चौथी बार टला प्रक्षेपण : गौरतलब है कि यह चौथी बार है जबकि यह बहुप्रतीक्षित मिशन टल गया है। सबसे पहले इसकी लॉन्चिंग की तारीख 29 मई तय की गई थी, फिर इसे बढ़ाकर आठ जून कर दिया गया। इसके बाद फिर इसके प्रक्षेपण की तारीख में बदलाव करके 10 जून को 5.30 बजे

कर दिया गया। फिर 10 जून से पहले ही नौ जून को भी मिशन को 11 जून तक टाल दिया गया था। तब इसरो ने इसका कारण खराब मौसम को बताया था। इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने सोमवार शाम जारी बयान में कहा था, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जाने वाले यान- एग्जियोम-4 मिशन का प्रक्षेपण 10 के बदले 11 जून 2025 तक स्थगित कर दिया गया है। अब चौथी बार फिर से एग्जियोम-4 का प्रक्षेपण स्थगित कर दिया गया है।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचने वाले पहले भारतीय : इस महत्वाकांक्षी अभियान के तहत भारत जल्द ही ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने वाला है। भारत के शुभांशु शुक्ल अब अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय बनने वाले हैं। इतना ही नहीं, वे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में पहुंचने वाले पहले भारतीय होंगे। इस मिशन को अमेरिका के अंतरिक्ष अभियानों से जुड़ी कंपनी एग्जियोम स्पेस और नासा के सहयोग से अंजाम दिया जा रहा है। साथ ही एलन मस्क की स्पेसएक्स इस मिशन में अहम भूमिका निभाएगी।

अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता में सहमति, ट्रम्प-शी जिनपिंग की मंजूरी बाकी

लंदन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच चल रही व्यापार वार्ता पर लगभग सहमति बन गई है। सीबीसी न्यूज के मुताबिक दोनों देशों के अधिकारियों ने बताया कि वे एक व्यापार समझौते की रूपरेखा पर सहमत हो गए हैं। अब इस समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मंजूरी का इंतजार है। अमेरिका के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने कहा कि दोनों देश जिनेवा में पहले हुए समझौते और नेताओं की आपसी बातचीत को अमल में लाने के लिए तैयार हो गए हैं। चीन के व्यापार मामलों के वरिष्ठ अधिकारी ली चेंगगांग ने भी यही बात दोहराई। दरअसल, हाल ही में दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच फोन पर बातचीत हुई थी, जिससे दोनों के बीच चल रहा तनाव थोड़ा कम हुआ। इससे पहले दोनों एक-दूसरे पर व्यापार समझौते के नियम तोड़ने का आरोप लगा रहे थे। इसी साल मई में स्विट्जरलैंड में हुई एक बैठक में यह तय हुआ था कि अप्रैल में जोड़े गए नए टैरिफ को 90 दिनों के लिए रोका जाएगा और कुछ पुराने फैसले भी वापस लिए जाएंगे। इस डील से अमेरिका को अर्थ मिनरल्स मिलने की उम्मीद अमेरिकी कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लुटनिक ने मंगलवार को कहा कि इस सहमति से रेयर अर्थ मिनरल्स और मैग्नेट्स से जुड़ी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। उन्होंने बताया कि यह फ्रेमवर्क पिछले महीने जेनेवा में हुए समझौते को मजबूती देता है। लुटनिक ने बताया इस समझौते में कुछ अमेरिकी एक्सपोर्ट रिस्ट्रिक्शन को हटाने की भी बात हुई। उन्होंने ने कहा, हम इस फ्रेमवर्क को राष्ट्रपति ट्रम्प के पास ले जाएंगे और उनकी मंजूरी के बाद इसे लागू करेंगे। दूसरी ओर,

चीन इसे राष्ट्रपति शी जिनपिंग के सामने रखेगा। इस डील से अमेरिका को रेयर अर्थ मिनरल्स मिल सकते हैं, जिनका इस्तेमाल इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहनों और सेफ्टी इक्यूपमेंट के लिए होता हैं। हालांकि यह फ्रेमवर्क अभी अंतिम नहीं है। अगर किसी एक ने भी इसे खारिज किया, तो ये प्रक्रिया फिर रुक सकती है। अमेरिका और चीन के बीच लम्बे समय से जारी ट्रेड वॉर ने वैश्विक सप्लाई चेन को प्रभावित किया था। यह समझौता इसे सुधार सकता है। चीन के अर्थशास्त्री जियानवेई जू ने कहा कि नेताओं तक रूपरेखा भेजना इस बात का संकेत है कि सभी बातें अभी पूरी तरह तय नहीं हुई हैं। फिर भी यह कदम दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव को कम करने और बातचीत जारी रखने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है। लेकिन यह अभी साफ नहीं है कि यह समझौता आगे चलकर कितनी बड़ी सफलता साबित होगा। अमेरिका और चीन ने टैरिफ में कटौती का ऐलान किया था इससे पहले अमेरिका और चीन के बीच 11 मई को जेनेवा में ट्रेड डील पर सहमति बनी थी। दोनों देशों ने टैरिफ में 115प्रतिशत कटौती का ऐलान किया था। जिनेवा में दोनों देशों के बीच हुए समझौते के मुताबिक अमेरिका, चीनी सामानों पर 30प्रतिशत टैरिफ लगाएगा।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अहमदाबाद-लंदन विमान दुर्घटना में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का निधन

एयर इंडिया का विमान में कुल 242 लोग सवार क्रैश होने से पूरे देश में शोक की लहर फैल गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद के मेघाणीनगर स्थित सरदार वल्लभभाई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर टेक-ऑफ करते समय एयर इंडिया का अहमदाबाद से लंदन जाने वाला विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। न्यूज एजेंसी ने दावा किया है कि इस एयर इंडिया विमान में सवार क्रू मेंबर्स समेत 242 यात्रियों की मौत हो गई है।

अहमदाबाद के मेघाणीनगर इलाके में स्थित सरदार वल्लभभाई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर टेक-ऑफ के दौरान एयर इंडिया का अहमदाबाद से लंदन जाने वाला विमान क्रैश हो गया। यह विमान दोपहर 1:38 बजे टेक-ऑफ हुआ था और 1:40 बजे हादसा हो गया। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, यह दुर्घटना मेघाणीनगर क्षेत्र के घोड़ा कैंप के पास आईजीबी कंपाउंड में हुई। इस दौरान दूर-दूर तक धुएं के गुबार दिखाई दिए, जिससे आसपास के लोगों में डर का माहौल फैल गया।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, टेक-ऑफ के समय विमान का पिछला हिस्सा एक पेड़ से टकरा गया, जिससे यह हादसा हुआ। यह भी बताया जा रहा है कि विमान में किसी तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटना हुई है।

गुजरात स्वास्थ्य और जनकल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव धनंजय द्विवेदी ने बताया कि यह विमान अहमदाबाद सिविल अस्पताल की स्टाफ क्वार्टर, छात्रावास और अन्य रिहायशी इलाकों पर क्रैश हुआ। अब तक लगभग 50 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और सभी का इलाज चल रहा है। हॉस्टल में रहने वाले कई लोगों की जान चली गई है और वहां के निवासी भी घायल हुए हैं। लगभग 50 घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उन्हें हर संभव इलाज दिया जा रहा है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

बीजे मेडिकल कॉलेज में डीएनए टेस्टिंग की व्यवस्था की गई है। विमान में सवार लोगों के परिजनों और बच्चों से अपील की गई है कि वे डीएनए सैंपल दें, ताकि मृतकों की पहचान की जा सके।

रिपोर्ट के अनुसार, अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त जी.एस. मलिक ने बताया कि ऐसा लग रहा है कि विमान दुर्घटना में कोई भी जीवित नहीं बचा है। विमान रिहायशी इलाके में क्रैश हुआ था, जिसकी वजह से कुछ स्थानीय लोगों की भी मौत हुई है। मलबे और आग की गंभीर स्थिति को देखते हुए हालात काफी चुनौतीपूर्ण बन गए हैं।

अहमदाबाद-लंदन विमान दुर्घटना में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का निधन,नेताओं ने ट्वीट कर जताया दुख

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया के विमान हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी निधन हो गया है। इस दुखद घटना की पुष्टि होते ही पूरे राज्य और देश में शोक की लहर दौड़ गई है।

देश के कई प्रमुख नेताओं ने ट्विटर के माध्यम से शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं और विजय रूपाणी को श्रद्धांजलि अर्पित की है। नेताओं ने उनके राजनीतिक जीवन, सेवाभाव और गुजरात के विकास में दिए गए योगदान को याद करते हुए गहरी संवेदना प्रकट की।

सरकार की ओर से जल्द ही राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार की घोषणा होने की संभावना है।

आज (12 जून) दोपहर अहमदाबाद में हुई एयर इंडिया विमान दुर्घटना में क्रू मेंबर्स सहित कुल 91 लोगों की मौत हो गई है। इस हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के दुखद निधन की भी खबरें सामने आई हैं। उनके निधन की खबर से गुजरात की राजनीतिक हलचलों में शोक की लहर दौड़ गई है।

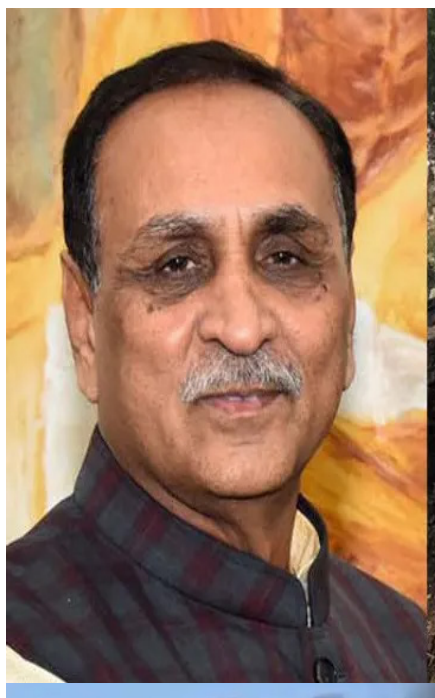

भारतीय जनता पार्टी के नेता विजय रूपाणी के निवास स्थान पर पहुंचने लगे हैं, और उनके घर के बाहर भारी भीड़ उमड़ पड़ी है।

यह विमान अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लंदन के लिए रवाना हुआ था। विमान ने दोपहर 1:38 बजे टेकऑफ किया और 1:40 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार, टेकऑफ के दौरान विमान का पीछे का हिस्सा एक पेड़ से टकरा गया, जिससे यह हादसा हुआ। यह भी आशंका जताई जा रही है कि विमान में तकनीकी खराबी के कारण यह दुर्घटना हुई।

इस भीषण हादसे ने पूरे राज्य और देश को गहरे शोक में डाल दिया है।

एयरपोर्ट के पास हाई-प्रोफाइल शराब और ड्रग्स की पार्टी

SMC ने छापा मारकर 3 पुरुषों और 4 महिलाओं समेत कुल 7 लोगों को गिरफ्तार किया छापे में 4.11 ग्राम एमडी ड्रग्स और विदेशी शराब (IMFL) का जखीरा बरामद हुआ

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत एयरपोर्ट के पास एक बंगले में चल रही शराब और ड्रग्स की पार्टी पर स्टेट मॉनिटरिंग सेल (स्स्ष्ट) ने छापा मारकर 3 पुरुषों और 4 महिलाओं समेत कुल 7 लोगों को गिरफ्तार किया है।

बंगला नंबर 114, आशीर्वाद फार्म में चल रही इस शराब पार्टी के दौरान पुलिस को 4.11 ग्राम एमडी ड्रग्स और ढ्ढस्न्नरु (भारतीय निर्मित विदेशी शराब) बरामद हुई है। जब्त किया गया कुल माल लगभग 1.84 लाख रुपये का बताया जा रहा है।

इस मामले में दो अन्य आरोपियों को वांटेड घोषित किया गया है और पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है।

डुमस रोड, एयरपोर्ट के सामने स्थित आशीर्वाद फार्म्स के बंगला नंबर 114 में एक हाई-प्रोफाइल शराब और ड्रग्स पार्टी का आयोजन किया गया था। इस बारे में स्टेट मॉनिटरिंग सेल (SMC) को पुख्ता जानकारी मिली थी। 10 जून 2025 को रात 8:30 बजे के बाद यह पार्टी शुरू होने वाली थी, जिसमें कुछ महिलाएं और पुरुष शराब व प्रतिबंधित ड्रग्स का सेवन करने इकट्ठा होने वाले थे।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में पार्टी का आयोजक मुख्य आरोपी चिराग कालुभाई मणिया (निवासी वराछा, सूरत, मूल निवासी भावनगर) के अलावा रजत अनिलभाई पाठक, धर्मेश मनुभाई छोटाला और 4 महिलाएं शामिल हैं। सभी को हिरासत में ले लिया गया है।

छापे के दौरान पुलिस ने 1.8 4 लाख रुपये का सामान जब्त किया

रेड की गई जगह से प्रतिबंधित मादक पदार्थ मेफेड्रोन (MD ड्रग्स) का 4.11 ग्राम शुद्ध वजन बरामद हुआ, जिसकी कीमत 41,100 है। इसके अलावा विभिन्न ब्रांड की सीलबंद 180 एमएल की 10 IMFL (भारतीय निर्मित विदेशी शराब) की बोतलें (किंमत 2,880), 4 खाली बोतलें और अन्य सामान मिलाकर कुल 1,84,980 का मुद्दामाल जब्त किया गया।

गिरफ्तार किए गए 7 आरोपियों और ड्रग्स व शराब की सप्लाई करने वाले अन्य 2 वांछित आरोपियों के खिलाफ स्टेट मॉनिटरिंग सेल (SMC) ने NDPS एक्ट-1985 की धारा 8(सी), 22(बी), 29 और प्रोहीबिशन एक्ट की धारा 65(ए)(ए), 66(1)(बी), 8 3, 84 के तहत केस दर्ज किया है।इस पूरे मामले की गहराई से जांच स्स्ष्ट द्वारा की जा रही है ताकि इस ड्रग्स और शराब पार्टी से जुड़े सभी व्यक्ति और उनकी सप्लाई चेन का खुलासा किया जा सके।

गिरफ्तार आरोपी:

चिराग कालुभाई मणिया (निवासी वराछा, सूरत; मूल निवासी भावनगर) - पार्टी का मुख्य आयोजक

रजत अनिलभाई पाठक (निवासी नियोल गांव, सूरत; मूल निवासी भदोही, उत्तर प्रदेश)

धर्मेश मनुभाई छोटाला (निवासी गोदादरा, सूरत; मूल निवासी अमरेली)

अन्य 4 महिलाएं (जिनके नाम फिलहाल गोपनीय रखे गए हैं)